



विश्व के सरी

सिर्फ पत्रकारिता...

@vishwakesariTV

@vishwakesari

vishwa kesari_official

@VishwaKesari

@ खेल अरिम्ता चालिहा ने बनाई फाइनल में जगह...

@ साहित्य केसरी समिधा...

@ व्यापार उपभोक्ता निश्चित होकर ई20 पेट्रोल का कर सकते...

प्रयागराज में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में बोले राहुल गांधी

हर 1,000 युवाओं में से सिर्फ 12 को ही पक्की नौकरी मिलती है

युवाओं, डेटा और रोजगार पर राहुल गांधी ने रखी अपनी बात

एजेंसी ■ प्रयागराज

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शनिवार को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने इस दौरान छात्रों को संबोधित किया और उनसे फीडबैक भी ली। इसी दौरान उन्होंने दावा किया कि प्रत्येक 1,000 युवाओं में से सिर्फ 12 को ही पक्की नौकरी मिलती है।

छात्रों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मेरे परिवार का घर प्रयागराज में था। मुझे यहां आकर बहुत खुशी होती है। यह शहर ज्ञान का केंद्र हुआ करता था। इलाहाबाद विश्वविद्यालय कभी देश के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में से एक था। मैं यहां आपसे दर्द, डेटा और दौलत की बात करने आया हूँ। हिंदुस्तान में 40 करोड़ युवा हैं, जो इस देश की ताकत हैं। लोग चीन, अमेरिका और रूस की बात करते हैं, लेकिन 21वीं सदी में भारत के युवाओं और उनकी क्षमता के सामने वे सभी फोके पड़ जाते हैं। 21वीं सदी में किसी देश की तरक्की दो चीजों पर निर्भर करती है। युवाओं की क्षमता, जो आपमें है, और वह डेटा जो आप बनाते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत के पास युवा भी हैं और दुनिया में सबसे ज्यादा डेटा भी। हर भारतीय योजना एक गीगाबाइट डेटा इस्तेमाल करता है। भविष्य की तरक्की इसी डेटा और आपकी क्षमता से होगी। युवा और डेटा मिलकर ही 21वीं सदी की अर्थव्यवस्था बनाते हैं। देश के युवा पढ़ाई करते हैं, इसमें परिवारों का लाखों-करोड़ रुपया खर्च होता है। फिर सिस्टम एक सर्टिफिकेट देता है, लेकिन उससे आपको रोजगार नहीं मिलता है। 1,000 में से सिर्फ 12 लोगों को ही पक्की नौकरी मिलती है। राहुल गांधी ने कहा कि लोगों से उनका डाटा छीनकर बड़ी-बड़ी कंपनियों को दे दिया जाता है।



लोगों से उनका डेटा छीनकर बड़ी-बड़ी कंपनियों को दिया जाता है और फिर आपसे कहा जाता है कि रील और कंटेंट बनाइए। रील 21वीं सदी का नया नशा है, लेकिन इससे आपको नौकरी नहीं मिल सकती, न ही इस देश में रोजगार।

- राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

पीएम मोदी का संदेश:

जो सीखेगा, वही जीतेगा

आईआईटी दिल्ली के दीक्षांत समारोह में छात्रों से कहा- बदलती दुनिया में सीखते रहना ही सफलता की कुंजी

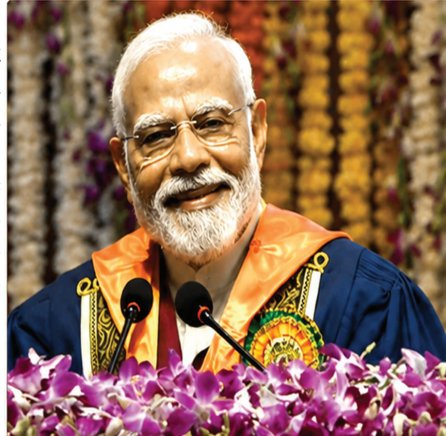
एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद छात्रों को संबोधित किया। संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री का मजाकिया अंदाज भी देखने को मिला।

छात्रों से बातचीत करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'आप लोगों के मन के किसी कोने में कुछ और चल रहा होगा। मैं तो बाबा बागेश्वर नहीं हूँ, लेकिन कुछ तो चलता होगा।'

पीएम मोदी ने कहा कि आज दुनिया तेजी से बदल रही है। कोई नहीं कह सकता कि आज से 20-30 साल बाद क्या होगा? लेकिन यह बदलती दुनिया और टेक्नोलॉजी नए मौकों लाएगी और जो सीखेगा, वही जीतेगा। जो लोग नई स्थितियों और चुनौतियों के लिए तैयार रहते हैं, वे चुनौतियों को मौकों में बदल देते हैं। यही बात आपने आईआईटी दिल्ली में सीखी है।

उन्होंने कहा कि इन भावुक पलों में मैं एक बात आपसे जरूर कहूंगा। जब जब जीवन आपको पीछे मुड़कर देखने का अवसर



जब-जब जीवन आपको पीछे मुड़कर देखने का अवसर देगा, तो ये प्रेरित जीवन, आपके दौलत, टीचर, मेंटर और सपोर्ट स्टाफ जो आपका परिवार बन गए, आपके प्रोफेसर और आपको ये संस्थान आपकी हर सफलता में याद आएंगे। इन सबके लिए आभारी रहिए।

- नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री

देगा, तो ये प्रेरित जीवन, आपके दोस्त, टीचर, मेंटर और सपोर्ट स्टाफ जो आपका परिवार बन गए, आपके प्रोफेसर जिन्होंने आप जैसी प्रतिभाओं को गढ़ने की जिम्मेदारी उठाई और आपका ये संस्थान जो धीरे-धीरे आपका घर बन गया और आप अपनी हर सफलता में इन सबको याद करेंगे, इन सबके लिए आभारी होंगे।

उन्होंने कहा कि जीवन में जिज्ञासा बनाए रखिए। अपनी सीखने की प्रवृत्ति को जगाए रखिए। जो बातें बिना सोचे-समझे स्वीकार कर ली जाती हैं, उन्हें परखिए। उन पर सवाल उठाएं लेकिन सिर्फ सवाल पूछकर मत रुकिए। उनका समाधान खोजने का साहस भी रखिए। आज भारत (आर्थिक आत्मनिर्भरता, तकनीकी

आत्मनिर्भरता, औद्योगिक आत्मनिर्भरता) ऐसे हर सेक्टर में आत्मनिर्भर बनने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर सेक्टर का उदाहरण हमारे सामने है। जब हमने इस दिशा में कदम बढ़ाया, तो कुछ लोगों ने सवाल उठाया कि भारत ये नहीं कर सकता लेकिन आज पहली सेमीकंडक्टर यूनिट में उत्पादन शुरू हो चुका है। मैं साफ मानता हूँ कि चिप से लेकर शिप तक सब कुछ यहीं पर आप ही के हाथों से बनेगा इस मजबूत आधार के साथ आपको 'विकसित भारत' का निर्माण करना होगा। 'विकसित भारत' की यात्रा में आपकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। युवा जितने मजबूत होंगे, देश उतना ही मजबूत होगा।

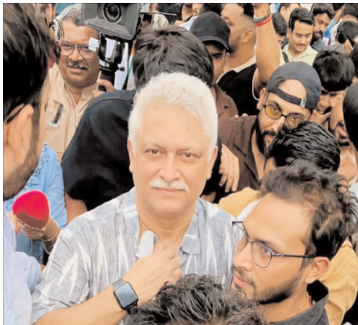
छात्रों के बीच पहुंचे पीयूष मिश्रा, गाया 'आरंभ है प्रचंड'

एजेंसी ■ रांची

झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी और पेपर लीक के खिलाफ चल रहे छात्र आंदोलन को शनिवार को मशहूर अभिनेता, गायक और लेखक पीयूष मिश्रा का समर्थन मिला। वह रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम स्थित आंदोलन स्थल पहुंचे और अनशन-सत्याग्रह कर रहे छात्रों से मुलाकात की।

पीयूष मिश्रा ने छात्रों का हौसला बढ़ाया और उनके संघर्ष के प्रति समर्थन जताया। उन्होंने छात्रों के बीच अपना चर्चित गीत 'आरंभ है प्रचंड' भी गाया। गीत के दौरान आंदोलन स्थल पर मौजूद छात्रों में खासा उत्साह देखने को मिला।

छात्रों से बातचीत के दौरान पीयूष मिश्रा ने कहा कि उन्होंने आंदोलन कर रहे कुछ छात्रों के इंटरव्यू देखे थे। उनकी आंखों में दर्द और परेशानी देखकर उन्हें रांची आने की प्रेरणा



मिली। उन्होंने कहा कि उनके पास दो दिन का समय था और वह इस दौरान छात्रों के बीच आकर उनके साथ खड़ा होना चाहते थे। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की शर्मिंदगी है कि मुंबई फिल्म इंडस्ट्री से इस आंदोलन को लेकर बहुत कम लोग बोल रहे हैं।

हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि पूरी फिल्म इंडस्ट्री को एक नजर से नहीं देखा जाना चाहिए और वहां भी ऐसे लोग हैं।

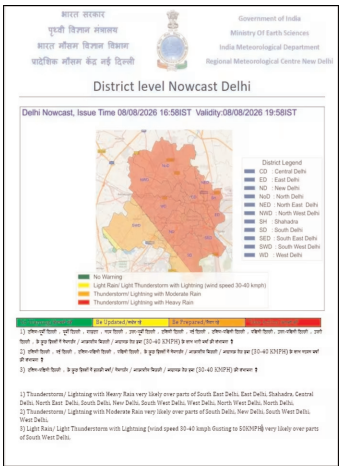
जलभराव और ट्रैफिक ने बढ़ाई परेशानी

दिल्ली- एनसीआर में भारी बारिश का रेड अलर्ट, आंधी-तूफान के साथ 50 किमी. की रफतार से चलेगी हवा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-एनसीआर में पिछले 2 दिनों से भारी बारिश का दौर जारी है। ये क्रम आगे भी जारी रहने वाला है। मौसम विभाग ने दिल्ली और उससे सटे एनसीआर के जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफतार से हवाएं चलने की चेतावनी भी जारी की गई है। ऐसे में आंधी-तूफान के साथ-साथ बिजली गिरने की भी संभावना है।

दक्षिण-पूर्व दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, शाहदरा, मध्य दिल्ली, उत्तर-पूर्व दिल्ली, दक्षिण दिल्ली, नई दिल्ली, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली, उत्तर-पश्चिम दिल्ली और उत्तरी दिल्ली के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के साथ आंधी-तूफान/बिजली गिरने की बहुत संभावना



है। दक्षिण दिल्ली, नई दिल्ली, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली और पश्चिमी दिल्ली के कुछ हिस्सों में मध्यम बारिश के साथ



आंधी-तूफान/बिजली गिरने की बहुत संभावना है। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश/हल्की आंधी-तूफान के साथ बिजली गिरने (हवा की गति 30-40 किमी/घंटा, झोंके 50 किमी/घंटा तक) की बहुत संभावना है।

ईरान के सुप्रीम लीडर की मौत की खबर का दावा

एजेंसी ■ तेहरान

ईरान का सुप्रीम लीडर बनाए जाने के बाद से मौजतबा खामेनेई को किसी भी सार्वजनिक स्थल या कार्यक्रम में देखा नहीं गया है। ऐसे में इजरायली मीडिया 'चैनल14' ने दावा किया है कि मौजतबा की हालत बेहद गंभीर है और किसी भी वक्त उनकी मौत की खबर सामने आ सकती है।

बता दें, अमेरिका और इजरायल की तरफ से 28 फरवरी 2026 को ईरान पर किए गए हमले में पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत हो गई। इसके बाद उनके बेटे मौजतबा खामेनेई को ईरान का नया सुप्रीम बनाया गया था। ईरान ने लंबे समय से उनकी सेहत पर सवाल उठाने वाली खबरों को गलत बताया है, लेकिन इजरायल के नए दावों से



पता चला है कि उनकी हालत अभी गंभीर है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इजरायली मीडिया आउटलेट चैनल 14 ने ईरान के अंदर के सूत्रों का हवाला देते हुए मौजतबा के स्वास्थ्य को लेकर ये दावा किया है। इजरायली मीडिया के रिपोर्ट में ईरानी एजेंसी के दावों का भी जिक्र किया गया है। ईरानी एजेंसी की रिपोर्ट में राष्ट्रपति मसूद पेजेकिशकन की सरकार के करीबी सूत्र का जिक्र था, जिन्होंने ऐसे ही दावे किए थे।



यूपीआई ट्रांजैक्शन पर उपयोगकर्ताओं से कोई चार्ज नहीं लिया जाएगा

व्यापारियों के लिए भी अधिकांश ट्रांजैक्शन रहेंगे मुफ्त: सरकार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने यूपीआई ट्रांजैक्शन पर शुल्क लगाए जाने की चर्चाओं के बीच शनिवार को स्पष्ट किया कि यूपीआई से भुगतान करने वाले आम नागरिकों से किसी भी तरह का ट्रांजैक्शन शुल्क नहीं लिया जाएगा। सरकार ने कहा है कि व्यक्ति से व्यक्ति के बीच होने वाले सभी यूपीआई ट्रांजैक्शन भी पूरी तरह नि:शुल्क बने रहेंगे। साथ ही, व्यापारियों के लिए भी यूपीआई के अधिकांश ट्रांजैक्शन पर कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा।

वित्त मंत्रालय की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि भविष्य में यदि व्यापारी छूट दर (एमडीआर) लागू की जाती है, तो यह केवल कुछ सीमित प्रकार के व्यापारी ट्रांजैक्शन पर, एक निश्चित सीमा से अधिक राशि होने की स्थिति में और बेहद



मामूली दर पर लागू होगी। यह दर डेबिट या क्रेडिट कार्ड से लिए जाने वाले शुल्क की तुलना में काफी कम होगी। सरकार ने कहा कि सभी व्यापारियों पर एक समान शुल्क लगाने की कोई योजना नहीं है।

मंत्रालय के अनुसार, कराधान और अन्य कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 के पारित होने के बाद भुगतान एवं निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 की धारा 10ए में संशोधन किया जाएगा।



आम नागरिकों के लिए सभी यूपीआई ट्रांजैक्शन पूरी तरह नि:शुल्क रहेंगे।



व्यापारियों के लिए अधिकांश ट्रांजैक्शन पर कोई शुल्क नहीं होगा।



भविष्य में यदि MDR लागू हुआ, तो वह केवल कुछ सीमित ट्रांजैक्शन पर और मामूली दर पर लागू होगा।



सरकार का लक्ष्य: यूपीआई को मजबूत, सुरक्षित, सुलभ और भविष्य के लिए तैयार बनाना।

भोपाल में ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक, मंत्री शेखावत ने भारत की भूमिका को बताया अहम

विश्व केसरी■
भोपाल। भोपाल में ब्रिक्स सम्मेलन के आखिरी दिन (शनिवार) सदस्यीय देशों के संस्कृति मंत्रियों की बैठक आयोजित की गई। भारत की अध्यक्षता में हो रही बैठक को संबोधित करते हुए भारत के संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इस समूह के लिए भारत की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'हम ये मानते हैं कि संस्कृति केवल बीते हुए कल का प्रतिबिंब नहीं होता बल्कि ये आने वाले कल यानी भविष्य का आधार है। भारत मानता है कि कल्चर एक जीवंत शक्ति है जो हमारे अस्तित्व का निर्माण करती है और रचनात्मकता के साथ इनोवेशन के लिए हमें प्रेरित करती है। इतना ही नहीं, ये सामाजिक सामंजस्य को बनाए रखने में मददगार साबित होती है। ये हमें सतत विकास के लिए शांति के साथ संवाद कायम करने के लिए प्रेरित करती है।

शेखावत ने पीएम मोदी के विजन का जिक्र करते हुए आगे कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिशा निर्देश पर भारत थीम



मददगार साबित होती है। ये हमें सतत विकास के लिए शांति के साथ संवाद कायम करने के लिए प्रेरित करती है।

शेखावत ने पीएम मोदी के विजन का जिक्र करते हुए आगे कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिशा निर्देश पर भारत थीम

लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के साथ आगे बढ़ रहा है। इसका केंद्र में हारमोनी, समुदायों और खासकर युवाओं को आगे बढ़ने के लिए मंच प्रदान करना है। ज्ञान भारतम मिशन इसका सटीक उदाहरण है। मंत्री ने आगे कहा कि भारत की समृद्ध सभ्यताग विरासत और सांस्कृतिक विविधता ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

भारीदार देशों के बीच सांस्कृतिक विरासत, संग्रहालयों, रचनात्मक अर्थव्यवस्था, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, क्षमता निर्माण और लोगों से लोगों के बीच जुड़ाव के क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर विचार-विमर्श किया गया।

मंत्री शेखावत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट पर बताया, 'भोपाल में ग्यारहवें ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक हुई, जिसमें सदस्य और साझेदार देशों के संस्कृति मंत्री और प्रतिनिधिमंडल का शीर्ष नेतृत्व आया। इस दौरान मैंने बातचीत को बढ़ावा देने, लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने और देशों के बीच पुल बनाने में संस्कृति की अहमियत पर बल दिया। उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा कि भारत की समृद्ध विरासत और सांस्कृतिक विविधता ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग को गहरा करने और संस्कृति को हमारे साझा ग्लोबल जुड़ाव का एक मजबूत स्तंभ बनाने में मदद करता है।

राघव चड्ढा ने पीएम मोदी को भेंट की भगवान गणेश की मूर्ति, बोले-एक सुबह जो हमेशा याद रहेगी

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। भाजपा राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात को यादगार बताया है। सांसद ने पीएम मोदी से मुलाकात की तस्वीर 'एक्स' पर शेयर की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'एक सुबह जो हमेशा याद रहेगी रखूंगा। पीएम मोदी से मिलने का सौभाग्य मिला। विस्तृत और समृद्ध बातचीत हुई। उनके बहुमूल्य समय और मार्गदर्शन से सीखने का अवसर देने के लिए हृदय से आभारी हूँ।

एक्स पर शेयर की गई तस्वीर में राघव चड्ढा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भगवान गणेश की मूर्ति भेंट करते नजर आए। 6 अगस्त को राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने संसद में कुछ डॉक्टरों और डायग्नोस्टिक सेंटरों के बीच 'कट मनी' या रेफरल कमीशन के चलन पर गंभीर चिंता जताई थी। उन्होंने



कहा था कि इस अनौपचारिक व्यवस्था का आर्थिक बोझ आखिरकार मरीजों को ही उठाना पड़ता है। शून्यकाल के दौरान राज्यसभा में राघव चड्ढा ने कहा था कि कुछ डॉक्टरों और डायग्नोस्टिक सेंटरों के बीच ऐसा तंत्र विकसित हो गया है, जिसमें मरीजों की जांच के लिए भेजने के बदले डॉक्टरों को तय कमीशन दिया जाता है। उन्होंने कहा था, 'यह एक अनौपचारिक व्यवस्था बन चुकी है। मरीज का इलाज करने के लिए नहीं, बल्कि उसे रेफर करने के लिए डॉक्टर को 3,000 रुपए तक दिए जाते हैं। इसके लिए तय कमीशन रेट, एजेंट और समानांतर इंसेंटिव इकोनॉमी काम कर रही है।'

चड्ढा ने आरोप लगाया था कि डायग्नोस्टिक सेंटर अपने खालों में इन भुगतानों को 'मार्केटिंग एक्सपेंस' बताते हैं, जबकि डॉक्टर इसे 'रेफरल कमीशन' के रूप में दर्ज करते हैं लेकिन वास्तविकता यह है कि इसकी पूरी कीमत मरीज के बिल में जोड़ दी जाती है।

संक्षिप्त खबरें

पश्चिम बंगाल में अज्ञात हमलावरों ने हेडमास्टर को मारी गोली, अस्पताल में मौत

विश्व केसरी■

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में शनिवार को दिनदहाड़े अज्ञात हमलावरों की गोली का शिकार हुए एक स्कूल हेडमास्टर मौत हो गई। इस्लामपुर के एक स्थानीय स्कूल के हेडमास्टर, नजरूल इस्लाम पर शनिवार सुबह काम पर जाते समय मदरिपुर इलाके में हमला किया गया। गोली लगने के बाद उन्हें इस्लामपुर सब-डिविजनल हॉस्पिटल ले जाया गया और बाद में सिलीगुड़ी के एक बड़े हॉस्पिटल में शिफ्ट कर दिया गया, जहां डॉक्टरों की कोशिशों के बावजूद दोपहर करीब 1 बजे उनकी मौत हो गई। इस्लामपुर पुलिस ने इस घटना की डिटेल में जांच करना कर दी है। पुलिस सुगम पाने के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। इस मामले में अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस को अभी तक हत्या की कोई वजह पता नहीं चली है। घटना पर हैरानी जताते हुए पीड़ित की बेटी, नैना खातून ने कहा कि परिवार को समझ नहीं आ रहा है कि उन्हें क्यों निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा, 'मेरे पिता एक ईमानदार इंसान थे। उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी।

मिथिला मखाना की बढ़ती वैश्विक मांग बिहार के किसानों के लिए पैदा कर रही नए अवसर

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। बिहार के प्रसिद्ध जीआई (जियोग्राफिकल इंडिकेशन) टैग प्राप्त 'मिथिला मखाना' ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को बताया कि पहली बार बिहार से 18 मीट्रिक टन मिथिला मखाना का ऑस्ट्रेलिया को समुद्री मार्ग के जरिए निर्यात किया गया है। पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस उपलब्धि की जानकारी साझा करते हुए कहा कि भारत के जीआई-टैग वाले मिथिला मखाना ने वैश्विक बाजार में एक नया मुकाम हासिल किया है। उन्होंने कहा, अपेक्षा यानी कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) के सहयोग से जीआई टैग वाले 18 मीट्रिक टन मिथिला मखाना को बिहार से ऑस्ट्रेलिया निर्यात किया गया। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि यह मखाना सीधे दरभंगा के किसानों से खरीदा गया था। इस पहल से जुड़े किसानों को बाजार भाव की गुंथान में शामिल होना 18 प्रतिशत अधिक लाभ मिला है, जिससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। गोयल ने कहा कि मिथिला मखाना की बढ़ती वैश्विक मांग बिहार के किसानों के लिए नए अवसर पैदा कर रही है।

जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में कथित गड़बड़ियों की सीबीआई जांच की मांग, सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल

नई दिल्ली। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की कंबांड सिविल सर्विसेज (प्रारंभिक) परीक्षा-2025 में कथित अनियमितताओं और गड़बड़ियों की जांच की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल की गई है। यह याचिका सामाजिक कार्यकर्ता हरिशरण देवगन द्वारा दायर की गई है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया गया है कि परीक्षा में कथित गड़बड़ियों की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराई जाए। वैकल्पिक रूप से सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश या झारखंड से बाहर के किसी हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक स्वतंत्र जांच समिति गठित करने की मांग भी की गई है।

उल्फा-टु के चार कैडरों ने असम राइफलस के सामने सरेंडर किया, हथियार सौंपे

विश्व केसरी■
ईटानगर। प्रतिबंधित यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (ईडिफंडेंट) के चार कट्टर कैडरों ने अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग जिले में असम राइफलस के सामने सरेंडर कर दिया और अपने हथियार व गोला-बारूद जमा कर दिए। रक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि लोंगडिंग जिले में चुपखाओ ट्रैक पर खुफिया जानकारी की आधार पर चलाए गए एक सुनियोजित ऑपरेशन के दौरान उल्फा-टु के चार कैडरों ने सरेंडर किया। यह ऑपरेशन सुरक्षा बलों द्वारा लगातार खुफिया जानकारी जुटाने, निरंतर निगरानी रखने, सटीक ऑपरेशनल प्लानिंग और लगातार सक्रिय रहने के बाद चलाया गया। आखिरकार विद्रोहियों को हथियार डालने और हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटने के लिए क्षमताओं के लिए एक बड़ा इत्का माना जा रहा है। रक्षा विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि

गोला-बारूद और युद्ध से जुड़ी अन्य सामग्री के साथ चार हथियार सौंपे। कैडरों के सरेंडर और हथियारों व अन्य सामान की बरामदगी को इलाके में विद्रोही संगठन की ऑपरेशनल क्षमताओं के लिए एक बड़ा इत्का माना जा रहा है। रक्षा विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि

इस सफल ऑपरेशन ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इलाके में सुरक्षा बलों की लगातार उग्रवाद-विरोधी कोशिशों की प्रभावशीलता को साबित किया है। सुरक्षा बल मजबूत ऑपरेशनल उपायों के साथ-साथ लगातार लोगों तक पहुंचने और उनसे जुड़ने की कोशिशें कर रहे हैं। इनका मकसद गुमराह युवाओं और विद्रोहियों को हिंसा छोड़ने और शांति व विकास का रास्ता अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि भारतीय सशस्त्र बलों पर क्षेत्र में स्थायी शांति, स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के अपने संकल्प पर अडिग हैं।

अहमदाबाद नगर निकाय ने 15 दिन में हजारों अतिक्रमण हटाए, 8.62 लाख रुपए का जुर्माना भी वसूला

विश्व केसरी■
अहमदाबाद। अहमदाबाद नगर निगम (एएससी) ने शहर भर में 15 दिनों तक चले एक सघन अभियान के दौरान सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथों और हाईवे से 708 अतिक्रमणों और स्टॉलों को हटाया। इसके साथ ही हजारों अन्य अवैध कब्जों को भी साफ किया। नियमों के उल्लंघन के लिए 8.62 लाख रुपए का प्रशासनिक जुर्माना भी वसूला। एस्टेट डिपार्टमेंट ने 24 जुलाई से 7 अगस्त के बीच एएससी के सभी सात जोन में कार्रवाई की और उन कब्जों को हटाया जो सार्वजनिक सड़कों पर रुकावट डाल रहे थे और ट्रैफिक की आवाजाही को प्रभावित कर रहे थे। इस अभियान के तहत 313 अवैध शेड और 1,066

तिरपाल हटाए गए, जबकि सार्वजनिक सड़कों पर लगे 1,987 विज्ञापन बोर्ड और लगभग 5,196 अन्य तरह के सामान जब्त किए गए। इस अभियान के दौरान नगर निकाय ने अवैध रूप से पार्क किए गए वाहनों के खिलाफ भी कार्रवाई की। कुल 1,159 वाहनों को लॉक किया गया, जबकि 10

वाहनों को टो करके ले जाया गया। विभाग ने सड़कों पर बने 35 पक्के ढांचों को भी हटा दिया। पश्चिम क्षेत्र में ऑपरेशन में कोल्टन दृगंगल, स्टेडियम चार रास्ता, स्वास्तिक चार रास्ता, पंचवटी फाइव रोड, परिमल गार्डन अंडरपास, नारणपुरा चार रास्ता, अंकरु चार रास्ता और शास्त्रीनगर शामिल थे।

तिरुवनंतपुरम। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राज्य के उत्तरी और मध्य क्षेत्रों में तीव्र वर्षा के एक और दौर की चेतावनी जारी करने के बाद शनिवार को केरल में हाई अलर्ट जारी रहा, जिसके तहत सात जिलों को अर्रेंज अलर्ट के अंतर्गत रखा गया है। पथानामथिट्टा, अलाप्पुझा, कोट्टायम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों में अर्रेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है। बाकी जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले घंटों में मौसम अस्थिर रह सकता है, जिससे

संवेदनशील क्षेत्रों में जलभराव, निधार्त सार्वजनिक और निवासन बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है। एहतियात के तौर पर, अधिकारियों ने कई प्रभावित जिलों में शिक्षण संस्थानों में छुट्टी घोषित कर दी है, जिनमें आंगनवाड़ी से लेकर व्यावसायिक कॉलेज तक शामिल हैं। हालांकि, कोझिकोड में व्यावसायिक कॉलेजों को इस बंदी आदेश से छूट दी गई है। पहले से

कायलव नगर पालिक निगम, रायपुर (जीन को-3)

रायपुर, दिनांक 08-08-2026

इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 342125

वाई का नाम 29 गुरु गोविन्द सिंह वाई

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 29 स्थित भवन भूमि जिसका प्रांटी आई. डी. RP R334A0175A जो को निगम अधिलेख श्री / श्रीमती SACHIN DHARIWAL पिता / पति श्री श्रीमती SURESH CHAND DHARIWAL के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती SRI AKASH DHARIWAL पिता/पति श्री श्रीमती S/O PRADEEP KUMAR DHARIWAL ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिबानामा, राजस्वी विलेख के अनुसार / शपथ पत्र, दान पत्र, हिबानामा, राजस्वी विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचत प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

कायलव नगर पालिक निगम, रायपुर (जीन को-3)

रायपुर, दिनांक 08-08-2026

इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34147

वाई का नाम 65 महामया मंदिर वाई

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 65 स्थित भवन भूमि जिसका प्रांटी आई. डी. RP RP662A0101A जो को निगम अधिलेख श्री / श्रीमती TULSI RATNANI D/O CHOITHI RAM RATNANI, AJAY KUMAR KHATWANI पिता/पति श्री श्रीमती PRAKASHCHAND KHATWANI के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती मोहनम्द इस्माइल मोहिन ने ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिबानामा, राजस्वी विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचत प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

कायलव नगर पालिक निगम, रायपुर (जीन को-6)

रायपुर, दिनांक 08-08-2026

इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34146

वाई का नाम 65 महामया मंदिर वाई

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 65 स्थित भवन भूमि जिसका प्रांटी आई. डी. RP R561A0076A जो को निगम अधिलेख श्री / श्रीमती KAVITA TIWARI पिता/पति श्री/श्रीमती SATISH TIWARI के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्री ज्ञानेश्वर धर दीवान पिता/पति श्री श्रीमती पिता नारायण धर दीवान ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिबानामा, राजस्वी विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचत प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

कायलव नगर पालिक निगम, रायपुर (जीन को-6)

रायपुर, दिनांक 08-08-2026

इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34145

वाई का नाम 65 महामया मंदिर वाई

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 65 स्थित भवन भूमि जिसका प्रांटी आई. डी. RP RP662E0075A जो को निगम अधिलेख श्री / श्रीमती KAVITA TIWARI पिता/पति श्री/श्रीमती SATISH TIWARI के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्री ज्ञानेश्वर धर दीवान पिता/पति श्री श्रीमती पिता नारायण धर दीवान ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिबानामा, राजस्वी विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचत प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

कायलव नगर पालिक निगम, रायपुर (जीन को-6)

रायपुर, दिनांक 08-08-2026

इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34148

वाई का नाम 38 - स्वामी आनानन्द वाई

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 33 स्थित भवन भूमि जिसका प्रांटी आई. डी. RP RP715F00365 जो को निगम अधिलेख श्री / श्रीमती ROHI KHEMC-HAND AGRAWAL पिता/पति श्री श्रीमती KHEMCHAND NETA-MAGRAWAL के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती मोहन लाल राखी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिबानामा, राजस्वी विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचत प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

विश्व आदिवासी दिवस : धरती, जंगल और परंपराओं के रखवाले... जानें ‘प्रकृति के प्रहरियों’ की कहानी

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। आदिवासी समाज सदियों से प्रकृति के बेहद करीब रहकर अपनी जिंदगी जीता आया है। जंगल, पहाड़, नदियां और जमीन उनके लिए सिर्फ संसाधन नहीं, बल्कि जीवन और संस्कृति का हिस्सा हैं। विश्व आदिवासी दिवस भी इसी बात पर जोर देता है कि दुनिया की विविधता सिर्फ बड़े शहरों और आधुनिक जीवनशैली से नहीं बनती। जंगलों, पहाड़ों और गांवों में सदियों से अपनी संस्कृति को संजोकर रखने वाले समुदाय भी इस विविधता का बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

हर साल 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है। इसका मकसद सिर्फ एक दिन आदिवासी समुदायों की चर्चा करना नहीं है, बल्कि उनके अधिकारों और समस्याओं को समझना भी है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसंबर 1994 में हर साल 9 अगस्त को विश्व के मूल निवासियों के लिए



अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। यह तारीख इसलिए भी खास है क्योंकि 9 अगस्त 1982 को संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार संबंधी कार्य समूह की आदिवासी आबादी पर पहली बैठक हुई थी।

भारत में आदिवासी समुदायों की अपनी अलग-अलग भाषाएं, बोलियां, पहनावे, खान-पान, लोकगीत, नृत्य और धार्मिक

परंपराएं हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले आदिवासी समुदाय अपनी विशिष्ट पहचान के लिए जाने जाते हैं। उनके त्योहारों और पारंपरिक आयोजनों में प्रकृति का खास महत्व दिखाई देता है।

आदिवासी समाज की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उनकी परंपराएं सिर्फ किताबों में नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी

में जीवित हैं। लोकगीतों और लोककथाओं के जरिए पीढ़ी दर पीढ़ी इतिहास और अनुभव आगे बढ़ते रहे हैं। पारंपरिक नृत्य और संगीत आज भी उनकी सामुदायिक एकता की मजबूत पहचान हैं।

आदिवासी समुदायों का जंगलों से रिश्ता बेहद पुराना है। जंगल उन्हें भोजन, औषधियां, लकड़ी और रोजमर्रा की कई जरूरतों की चीजें देते हैं। लेकिन इसके बदले प्रकृति की रक्षा करना भी उनकी जीवनशैली का हिस्सा रहा है। पेड़-पौधों, नदियों और वन्यजीवों को लेकर उनके पारंपरिक ज्ञान की अक्सर चर्चा होती है। आज जब पूरी दुनिया पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से जुझ रही है, तब आदिवासी समुदायों की पारंपरिक जीवनशैली से भी कई महत्वपूर्ण बातें सीखने की जरूरत महसूस होती है। सीमित संसाधनों में संतुलित जीवन जीना और प्रकृति को नुकसान न पहुंचाना उनकी संस्कृति का अहम हिस्सा रहा है।

जापान : कुमामोटो भूकंप में मृतकों की संख्या बढ़कर 39 हुई

विश्व केसरी■
टोक्यो। दक्षिण-पश्चिमी जापान के कुमामोटो प्रांत में 28 जुलाई को आए शक्तिशाली भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 39 हो गई है। प्रांतीय सरकार ने शनिवार को बताया कि 6,500 से अधिक लोग आज भी राहत और निकासी केंद्रों में रह रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार, 39 मृतकों में से 36 की मौत सीधे 7.1 तीव्रता वाले भूकंप के कारण हुई। एक अन्य व्यक्ति की मौत, कथित तौर पर लू लगने से हुई, जिसे आपदा से जुड़ा माना जा रहा है। वहीं, दो अन्य लोगों की मौत के कारणों और उनके भूकंप से संभावित संबंध की जांच की जा रही है। सिन्डुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, भूकंप के कारण कुमामोटो प्रांत में अब तक 205 लोग हताहत हुए हैं, जिनमें 23 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। भूकंप के सबसे अधिक प्रभावित इलाकों में जापान



के भूकंपीय तीव्रता पैमाने पर अधिकतम 7 की तीव्रता दर्ज की गई। यह पैमाने का सबसे ऊंचा स्तर है, जिसमें लोगों के लिए खड़े रहना या बिना रंगते हुए आगे बढ़ना मुश्किल हो जाता है और वे झटकों के कारण हवा में उछल भी सकते हैं। जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची ने सोमवार को भूकंप प्रभावित इलाकों का दौरा किया और राहत एवं पुनर्वास कार्यों का जायजा लिया।

क्योटो न्यूज एजेंसी के अनुसार, ताकाइची ने 28 जुलाई को

आए 7.1 तीव्रता के भूकंप से प्रभावित लोगों से कहा, ‘सरकार वह सब कुछ करेगी जो वह कर सकती है।’

आपदा प्रतिक्रिया की वर्दी पहने प्रधानमंत्री ने हिकावा शहर में एक निकासी केंद्र का दौरा किया और वहां रह रहे प्रभावित लोगों से मुलाकात की।

इसके बाद उन्होंने हेलीकॉप्टर से काशिमा शहर स्थित एयॉन शॉपिंग मॉल का भी जायजा लिया। भूकंप के बाद यहां हुए एक विस्फोट में सात लोगों की मौत हुई थी।

नेपाल सरकार की कार्यशैली पर अपनी ही पार्टी ने उठाए सवाल, पीएम बालेंद्र शाह के पोस्ट से बड़ी चर्चा

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। नेपाल में इन दिनों हालात बेहद संवेदनशील बने हुए हैं। देश के लोगों में जेन-जी आंदोलन के बाद चुनी गई बालेंद्र उर्फ बालेन शाह की सरकार के खिलाफ काफी नाराजगी देखने को मिल रही है। लोग सड़कों पर सरकार के विरोध में अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। तनावपूर्ण हालात और जन आक्रोश के बीच नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह को अपनी पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) में भी फूट पड़ती नजर आ रही है।

दरअसल, प्रधानमंत्री शाह ने आधी रात को फेसबुक पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने लिखा, ‘सही समय आने में समय लगता है। इसमें देरी हो सकती है, लेकिन यह गलत नहीं होगा। चिंता न करें। कभी-कभी जो देखा और



सुना जाता है, असलियत उससे अलग हो सकती है। कभी-कभी अकेले ही लड़ना पड़ता है। यह पहली बार नहीं है। पीएम का ये पोस्ट संसद में सत्ताधारी पार्टी के सांसदों द्वारा सरकार के काम करने के तरीके की कड़ी आलोचना के बाद आया है। आरएसपी के नेता मनीष झा ने नेपाली संसद में जोर देकर कहा कि बदलाव के लिए बड़े जनादेश वाली सरकार में कोई भी

अकेला नहीं खड़ा होता है। मनीष झा ने कहा, ‘हम सब आपके साथ हैं। जैसा कि संसद में कहा गया था, इरादे या मकसद पर कोई शक नहीं है, लेकिन कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जिनमें सुधार होना चाहिए। इस महान ऐतिहासिक मौके को बर्बाद न होने देने के लिए सतर्क रहने और सरकार को अलर्ट रखने की हमारी कोशिश जारी रहेगी।’

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार को लोगों से जुड़े रहना चाहिए। उन्होंने दोहराया: ‘मैं सरकार के साथ हूँ। यहां कोई अकेला नहीं है।’ दरअसल, नेपाल की संसद में झा ने बालेंद्र सरकार के मैनेजमेंट की आलोचना करते हुए सरकार के इरादे पर भरोसा जताया और कहा, ‘सरकार को लेकर कोई शक या सवाल नहीं है।

अमित शाह का आरबीआई और सहकारी बैंकों को संदेश, आपसी भरोसे से मजबूत होगा सेक्टर

विश्व केसरी■
मुंबई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल के वर्षों में शहरी सहकारी बैंकों के प्रति सहयोगात्मक रवैया अपनाया है। उन्होंने दोनों पक्षों से एक-दूसरे के प्रति लंबे समय से बनी धारणाओं से आगे बढ़कर इस क्षेत्र को मजबूत बनाने की अपील की।

मुंबई में नेशनल अर्बन कोऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के नए कार्यालय भवन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि शहरी सहकारी बैंक और आरबीआई को अधिक विश्वास और भरोसे के साथ मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब भी सरकार और सहकारी बैंकिंग क्षेत्र ने अनुमति देना तथा इस क्षेत्र के लिए एक समर्पित नोडल अधिकारी की नियुक्ति शामिल है।

उन्होंने शहरी सहकारी बैंकों के लिए हाल ही में किए गए नियामकीय सुधारों का



किया। इनमें शाखाओं के विस्तार संबंधी नियमों में ढील देना, घर-घर बैंकिंग सेवाओं की अनुमति देना, यूसीबी को डिमांड ड्राफ्ट और जीवन प्रमाण पत्र जारी करने की अनुमति देना तथा इस क्षेत्र के लिए एक समर्पित नोडल अधिकारी की नियुक्ति शामिल है।

उन्होंने शहरी सहकारी बैंकों के लिए हाल ही में किए गए नियामकीय सुधारों का

भी स्वागत किया। इनमें गोल्ड लोन की सीमा बढ़ाना और वन-टाइम सेटलमेंट की व्यवस्था लागू करना शामिल है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि वर्तमान में शहरी सहकारी बैंकों में 6 लाख करोड़ रुपए से अधिक की जमा राशि मौजूद है। उनकी यह टिप्पणी आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा द्वारा हाल ही में शहरी सहकारी बैंकों के लिए ऑन-टैप लाइसेंसिंग फ्रेमवर्क लागू करने की

दिशा में हुई प्रगति की जानकारी दिए जाने के कुछ दिनों बाद आई है।

क्षेत्र की व्यावसायिक संभावनाओं का उल्लेख करते हुए अमित शाह ने कहा कि छोटे उधारकर्ता सहकारी बैंकों के लिए अपेक्षाकृत सुरक्षित ऋण वर्ग साबित होते हैं।

गुजरात में एक सहकारी बैंक के अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल को याद करते हुए उन्होंने कहा कि उस बैंक ने बिना किसी गारंटी के 2.5 लाख रुपए तक के ऋण दिए थे और व्याज सहित ऋण वसूली की दर 99 प्रतिशत से अधिक रही थी। अमित शाह ने शहरी सहकारी बैंकों से नेशनल अर्बन कोऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करने का भी आह्वान किया।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में केवल करीब 690 बैंक ही इस संस्था के सदस्य हैं। उन्होंने सदस्यता शुल्क कम करने का सुझाव दिया, ताकि देश के लगभग 1,400 शहरी सहकारी बैंक इसमें शामिल हो सकें।

केरल : कोच्चि में सीएम सतीशन ने अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर से की मुलाकात

विश्व केसरी■
कोच्चि। केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने शनिवार को कोच्चि में भारत में संयुक्त राज्य अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर से मुलाकात की। इस बैठक में केरल के मुख्य सचिव और राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान केरल और अमेरिका के बीच आपसी हितों के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। खास तौर पर उच्च शिक्षा, पर्यटन, संस्कृति, निवेश और समुद्री विकास जैसे क्षेत्रों पर विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने केरल और अमेरिका के विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों के बीच बेहतर साझेदारी की संभावनाओं पर प्रकाश



डाला। इसमें संयुक्त शोध परियोजनाएं, शैक्षणिक आदान-प्रदान और नवाचार साझेदारियां शामिल हैं। दोनों पक्षों ने सांस्कृतिक

पहली यात्रा है। उन्होंने कहा कि वह राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में इसकी अपार संभावनाओं से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने की अच्छी संभावना है, विशेष रूप से वेलनेस और आयुर्वेद पर्यटन के क्षेत्र में। राजदूत ने ‘सिस्टर सिटीज’ की अवधारणा का भी उल्लेख किया और सुझाव दिया कि केरल और अमेरिका के शहरों के बीच इस तरह की साझेदारियों की संभावनाओं पर विचार किया जा सकता है। इससे सांस्कृतिक, शैक्षणिक, आर्थिक और लोगों के बीच संबंधों को और मजबूत किया जा सकेगा।

नई दिल्ली में पीएम मोदी से मिले सीएम योगी भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन से भी की मुलाकात

विश्व केसरी■
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की। सीएम योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ के माध्यम से इन मुलाकातों की जानकारी साझा की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद सीएम योगी ने ‘एक्स’ पर तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, ‘“नए भारत” के स्वप्नद्रष्टा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नई दिल्ली में आत्मीय भेंट की। आपका मार्गदर्शन मुझे सुशासन के पथ पर अविराम गतिशील रहने की प्रेरणा देता है। बहुमूल्य समय प्रदान करने के लिए हार्दिक आभार प्रधानमंत्री।’



मुख्यमंत्री योगी की प्रधानमंत्री मोदी से हुई इस मुलाकात को राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, बैठक के एजेंडे को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है। प्रधानमंत्री से मुलाकात

के अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से भी भेंट की। उन्होंने इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया। इससे पहले सीएम योगी पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दौरे पर थे।

मेरठ पहुंचकर उन्होंने सावन माह में जलाभिषेक के लिए जा रहे कांवड़ यात्रियों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत और अभिनंदन किया।

कांवड़ियों में पुष्पवर्षा के बाद मुख्यमंत्री ने ‘एक्स’ पर लिखा, ‘शिवो भूत्वा शिवं यजेत। भगवान भोलेनाथ की आराधना-उपासना के पवित्र श्रावण माह के पावन अवसर पर जलाभिषेक करने निकले श्रद्धालुओं एवं कांवड़ियों पर जनपद मेरठ में पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया।’ उन्होंने कहा कि भक्ति, अनुशासन और समर्पण के साथ सैकड़ों किलोमीटर की पदयात्रा कर रहे शिवभक्त जाति, पंथ, प्रांत और क्षेत्र की सीमाओं से ऊपर उठकर सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता का संदेश दे रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र के ‘पैलेस डेस नेशंस’ परिसर पहुंचे पांच भारतीय मोर, निभाई गई परंपरा

विश्व केसरी■
जिनेवा। जिनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र के ‘पैलेस डेस नेशंस’ परिसर में भारत से पहुंचे पांच मोरों का स्वागत किया गया। यूएन में भारत के स्थायी मिशन ने इस तोहफे को संयुक्त राष्ट्र के साथ ‘हमारी साझेदारी का एक और आयाम’ कारार दिया। वहीं जिनेवा कार्यालय ने इन ‘चमकदार राजनयिकों’ से सबको रूबरू कराया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने इस उपहार को भारत और संयुक्त राष्ट्र के बीच साझेदारी का ‘एक और आयाम’ बताया। मिशन ने एक्स पर लिखा, ‘साझेदारी का एक और आयाम शुरू हुआ। यूएन जिनेवा को हमने उपहार स्वरूप मोर भेंट किए। राष्ट्रीय पक्षी होने के कारण मोरों का हर भारतीय के दिल में विशेष स्थान है। शुक्रवार को इन पांचों



पक्षियों का स्वागत किया गया। इसके साथ ही इस परिसर में मोरों को रखने की दशकों पुरानी परंपरा भी जारी है। यूएन न्यूज के अनुसार, ‘भारत

की ओर से उपहार में दिए गए पांच युवा मोर यूएन जिनेवा पहुंच गए हैं। यह उस परंपरा को जारी रखता है जो खुद संयुक्त राष्ट्र से भी पुरानी है।

जिनेवा के सबसे नए और सबसे चमकदार राजनयिकों से मिलिए! इस पहल के तहत चार नीले और एक दुर्लभ सफेद नए मयूर भेंट किया गया है। इसका उद्देश्य परिसर में मोरों की संख्या को फिर से बढ़ाना है, जो घटकर केवल एक रह गई थी। इन मोरों को फिलहाल एरियाना पार्क के विशाल एवियरी (पक्षीघर) में रखा गया है, ताकि वे नए वातावरण के अभ्यस्त हो सकें। करीब तीन महीने बाद उन्हें परिसर में स्वतंत्र रूप से घूमने की अनुमति दी जाएगी।

जिनेवा की महानिदेशक तातियाना वालोवाया ने कहा, ‘हम पांच नए मोरों का स्वागत करके बहुत खुश हैं। चार नीले और एक सफेद, संयुक्त राष्ट्र के पारंपरिक नीले और सफेद रंगों को भी रेखांकित करते हैं। हमने उनके लिए एक अस्थायी घर

बनाया है। वे अगले तीन महीने यहां रहेंगे और उसके बाद उन्हें स्वतंत्र रूप से घूमने और एरियाना पार्क की मेहमाननवाजी का आनंद लेने की अनुमति दी जाएगी।’ यह सजीव भेंट संयुक्त राष्ट्र और भारत के बीच पुरानी राजनयिक परंपरा को आगे बढ़ाता है। 1981 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जिनेवा को दो मोर भेजे थे।

भारत के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत एवं स्थायी प्रतिनिधि अरिंदम बागची ने कहा, ‘यह भारतीय मिशन के लिए वास्तव में गौरव की बात है कि हम यूएन जिनेवा को पांच मोर ‘पावो क्रिस्टेटस’ उपहार में दे पा रहे हैं। यहां मोरों को रखने की एक परंपरा रही है। हमने 1981 में भी मोर उपहार में दिए थे और उसे जारी रखते हुए हमें खुशी हो रही है।

कर्नाटक मंत्रिमंडल में महिलाओं को मिलेगा प्रतिनिधित्व, अन्य लोगों को चिंता करने की जरूरत नहीं: सीएम शिवकुमार

विश्व केसरी■
बेंगलुरु। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को आश्वासन दिया कि कर्नाटक मंत्रिमंडल में महिलाओं को प्रतिनिधित्व दिया जाएगा, क्योंकि हाल ही में विस्तारित मंत्रिमंडल में महिला मंत्रियों को शामिल करने की कांग्रेस के भीतर से मांगें बढ़ रही हैं।

मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा, ‘हमारी कैबिनेट में निश्चित रूप से एक महिला मंत्री होगी। हम महिलाओं को और मजबूत बनाएंगे। उन्होंने कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एस. निजलिंगप्पा की पुण्यतिथि के मौके पर विधान सभा परिसर में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद पत्रकारों से बात की। ‘कांग्रेस ने ही यह बिल तैयार किया और इसे लोकसभा में



की गैर-मौजूदगी पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू की आलोचना का जवाब देते हुए शिवकुमार ने कहा कि संसद में महिला आरक्षण विधेयक को पेश करने और पारित कराने में कांग्रेस ने अहम भूमिका निभाई थी। शिवकुमार ने कहा, ‘कांग्रेस ने ही यह बिल तैयार किया और इसे लोकसभा में

पास करवाया। लोकसभा चुनाव के दौरान हमने कर्नाटक में महिलाओं को ज्यादा सीटें दी थीं। कैबिनेट विधान का मामला जल्द ही सुलझा लिया जाएगा। रिजिजू को कांग्रेस की चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्हें अपनी पार्टी और सरकार के बारे में सोचना चाहिए। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह नई दिल्ली जा रहे हैं तो शिवकुमार ने कहा, ‘मुझे जाना ही है, है ना? निकलने से पहले हम आपको बता देंगे। एस. निजलिंगप्पा को श्रद्धांजलि देते हुए शिवकुमार ने पूर्व मुख्यमंत्री को एक प्रतिष्ठित नेता बताया, जिन्होंने कर्नाटक का मान बढ़ाया और राज्य के राजनीतिक और प्रशासनिक इतिहास में अहम भूमिका निभाई।

भोपाल

15 अगस्त तक मांगों का समाधान नहीं तो 17 अगस्त से अनिश्चितकालीन धरना



विश्व केसरी ■ **सरसीवां।** क्षेत्र की वर्षों पुरानी मूलभूत समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर ग्राम पंचायत सरसभांठा एवं बालपुर के जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में स्पष्ट चेतावनी दी गई है

कि यदि 15 अगस्त 2026 तक उनकी मांगों का समाधान नहीं किया गया, तो 17 अगस्त 2026 से ग्रामीण लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू करेंगे।



कोसिर मार्ग के लगभग 7 किलोमीटर लंबे जर्जर सड़क मार्ग का निर्माण है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। बरसात के दिनों में कीचड़ और जलभराव के कारण स्कूली बच्चों, किसानों, मरीजों और आम लोगों का आवागमन बुरी तरह

प्रभावित हो रहा है। उन्होंने स्वीकृत सड़क निर्माण कार्य तत्काल शुरू कराने तथा तब तक सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। दूसरी प्रमुख मांग बालपुर स्थित स्वामी आत्मानंद हायर सेकेंडरी स्कूल के भवन निर्माण से जुड़ी है। ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय भवन के लिए

शासन से 1 करोड़ 21 लाख 16 हजार रुपये की स्वीकृति मिल चुकी है, लेकिन अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है। इसके कारण 500 से अधिक छात्र-छात्राओं को असुविधाजनक परिस्थितियों में पढ़ाई करनी पड़ रही है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि पूर्व में स्वीकृत सड़क निर्माण कार्य के दौरान बनाए गए पुल के बाद निर्माण अधूरा छोड़ दिया गया था। वहीं, बायपास सड़क निर्माण से प्रभावित किसानों का मुआवजा भी एसडीएम कार्यालय में लंबित है। ग्रामीणों ने प्रभावित किसानों को शीघ्र मुआवजा राशि वितरित कर सड़क निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने प्रशासन को स्पष्ट अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि यदि 15 अगस्त तक उनकी मांगों का समाधान नहीं हुआ, तो 17 अगस्त से अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। ज्ञापन के साथ पंचायत प्रस्ताव, जर्जर सड़क की तस्वीरें तथा विद्यालय भवन की स्वीकृति से संबंधित दस्तावेज भी संलग्न किए गए हैं।

केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम के नेतृत्व में विधानसभा स्तरीय हुई तिरंगा यात्रा बैठक



विश्व केसरी ■ **कोंडगांव।** केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम के नेतृत्व में सहभागी होंगे। विधायक नीलकंठ टेकाम ने यात्रा में शामिल होने वाले सभी लोगों को हेलमेट पहनकर सुरक्षित तरीके से यात्रा में शामिल होने के निर्देश दिए।

विधायक टेकाम ने कहा कि जिस तरह विधानसभा क्षेत्र में जंगल यात्रा ने अपनी अलग पहचान बनाई है, उसी तरह तिरंगा यात्रा को भी प्रत्येक वर्ष आयोजित कर एक नई परंपरा और इतिहास बनाया जाए। यह यात्रा राष्ट्रभक्ति, एकता और तिरंगे के सम्मान का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगी। बैठक में केशकाल स्वरू आकांक्षा

साथ ही विधानसभा क्षेत्र के सभी वर्गों के नागरिक तिरंगा लेकर यात्रा में सहभागी होंगे। विधायक नीलकंठ टेकाम ने यात्रा में शामिल होने वाले सभी लोगों को हेलमेट पहनकर सुरक्षित तरीके से यात्रा में शामिल होने के निर्देश दिए। विधायक टेकाम ने कहा कि जिस तरह विधानसभा क्षेत्र में जंगल यात्रा ने अपनी अलग पहचान बनाई है, उसी तरह तिरंगा यात्रा को भी प्रत्येक वर्ष आयोजित कर एक नई परंपरा और इतिहास बनाया जाए। यह यात्रा राष्ट्रभक्ति, एकता और तिरंगे के सम्मान का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगी। बैठक में केशकाल स्वरू आकांक्षा

नायक, फरसगांव स्वरू आश्ववन पुराम, तहसीलदार गणेश सिदार, विश्रामपुरी तहसीलदार फडेश्वर सोम, केशकाल SDOP अरुण नेताम, फरसगांव SDOP अभिनव उपाध्याय सहित प्रशासन एवं पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सर्व आदिवासी समाज ब्लॉक अध्यक्ष फरसु सलाम, केशकाल विधानसभा के विभिन्न मंडल अध्यक्ष, नगर पंचायत अध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में तिरंगा यात्रा को सफल, व्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाने को लेकर आवश्यक तैयारियों पर चर्चा की गई।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने कार्यक्रम आयोजन कर दी ‘स्तनपान ज्ञान’

विश्व केसरी ■ **सारंगढ़/बिलाईगढ़।** महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सारंगढ़ के आशा निकेतन वृद्धा आश्रम में स्तनपान से जुड़ा कार्यक्रम किया। इस आयोजन में महिला एवं बाल विकास अधिकारी, परियोजना अधिकारी, सेक्टर सुपरवाइजर और सुपरवाइजर सहित कई महिलाएं उपस्थित थीं। प्रशिक्षक और वीडियो प्रदर्शन के माध्यम से स्तनपान सिखाया गया और इस ज्ञान को ज़िले के सभी आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से शिशुवती महिलाओं को समझाने के निर्देश महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने दिए। कार्यक्रम में जानकारी दी गई कि, स्तनपान सबसे प्राकृतिक चीजों



में से एक है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यह माताओं और उनके शिशुओं दोनों के लिए स्वाभाविक रूप से होता है। इसमें समय और अभ्यास लगता है। और हर माँ की स्तनपान की कहानी अलग होती है, लेकिन इन सभी कहानियों में एक बात समान है, वे अपने बच्चों को जीवन की सबसे स्वस्थ शुरुआत दे रहे हैं। स्तनपान शिशुओं को वह पोषण,

अस्पताल या घर पर बच्चे को जन्म देने, जन्म के पहले घंटे के भीतर नवजात शिशु को स्तनपान कराने से स्तनपान सफल होने की संभावना बढ़ जाती है। कुछ घंटों की देरी भी स्तनपान को सफलतापूर्वक शुरू करने में मुश्किल पैदा कर सकती है। शिशु के जन्म के तुरंत बाद (और उससे ठीक पहले भी) आपका शरीर शिशु का ‘पहला दूध’ बनाता है, जिसे कोलोस्ट्रम कहते हैं। यह गाढ़ा, अक्सर सुनहरे रंग का होता है और कम मात्रा में निकलता है, लेकिन शक्तिशाली एंटीबॉडी से भरपूर होता है, और नवजात शिशु को शुरुआती घंटों और दिनों में ठीक यही चाहिए होता है, जब उसकी प्रतिरक्षा प्रणाली अभी विकसित हो रही होती है।

कल्चरल मार्क्सवाद पर अध्ययन एवं विमर्श सत्र आयोजित

विश्व केसरी ■ **रायपुर।** आंजनेय विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक मार्क्सवाद अध्ययन केंद्र, रायपुर द्वारा Cultural Marxism के विभिन्न पहलुओं पर अध्ययन एवं विमर्श सत्र का आयोजन किया गया। सत्र में सांस्कृतिक बदलाव, शिक्षा, मीडिया, फिल्म, वेब सीरीज और OTT प्लेटफॉर्म की भूमिका सहित समकालीन सामाजिक एवं वैचारिक विषयों पर चर्चा हुई।

मुख्य वक्ता के रूप में कैलाश चंद्र जी, मध्य क्षेत्र प्रचार प्रमुख, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं प्रचारक, तथा विश्वजीत जी, प्रचारक एवं मध्य क्षेत्र, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संजय तिवारी जी, प्रांत प्रचार प्रमुख, राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा एवं



आंजनेय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अधिक अग्रवाल जी, दिव्या अग्रवाल, टी. रामाराव, वाइस चांसलर तथा रूपाली चौधरी, रजिस्ट्रार, आंजनेय यूनिवर्सिटी भी उपस्थित रहे। कैलाश चंद्र जी ने कहा कि वर्तमान समय में विचारों और सामाजिक धारणाओं के निर्माण में मीडिया और नैरेटिव की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने Cultural Marxism की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, वैश्विक बाजार शक्तियों तथा भारतीय समाज की पारिवारिक एवं सांस्कृतिक संरचना पर इसके

संभावित प्रभावों पर चर्चा की। सत्र में भारतीय चिंतन परंपरा में काम, अर्थ, धर्म और मोक्ष की अवधारणा, तथा पश्चिमी विचारधाराओं के साथ उसकी तुलना पर भी विचार-विमर्श हुआ। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था, अकादमिक पाठ्यक्रमों और मनोरंजन माध्यमों के जरिए सामाजिक एवं सांस्कृतिक विमर्श का निर्माण होता है। जो विचार अकादमिक संस्थानों में पढ़ाया जाता है, वही धीरे-धीरे समाज के नैरेटिव का हिस्सा बनता है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति की सबसे बड़ी ताकत उसका परिवार और उसकी

पारिवारिक मूल्य-व्यवस्था है। विश्वजीत जी ने कहा कि सत्र के दौरान इटली के विचारक एंटोनियो ग्रांशी के Cultural Hegemony (सांस्कृतिक वर्चस्व) के सिद्धांत तथा फ्रैंकफर्ट स्कूल के प्रमुख चिंतकों मैक्स होर्खाइमर, थियोडोर अडोर्नो एवं हर्बर्ट मार्क्यूज के विचारों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि आधुनिक वैचारिक संघर्ष केवल राजनीतिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्कृति, शिक्षा, मीडिया और सामाजिक संस्थाओं में भी इसके विभिन्न आयाम दिखाई देते हैं।

पशुपालन मंत्री के आदेश को ठेगा दिखाने वाले उपसंचालक डॉ. राजीव शर्मा पर कसने लगा शिकंजा

विश्व केसरी ■ **बीजापुर।** पशुपालन विभाग में अधिकारियों की मनमानी और आपसी सांठगांठ का एक बड़ा प्रशासनिक मामला बेनकाब हो गया है। विभागीय मंत्री रामविचार नेताम के स्पष्ट आदेशों का उल्लंघन करने वाले उपसंचालक डॉ राजीव शर्मा और 30 सालों से एक ही स्थान पर मलाई काट रहे सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी नरोत्तम समर्थ के नेटवर्क पर शासन का बड़ा चाबुक चला है शासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए AVFO नरोत्तम समर्थ को तत्काल प्रभाव से ‘एकतरफा कार्यमुक्त’ कर दिया है। इसके साथ ही शासन ने मंत्री के आदेश की अवहेलना करने पर उपसंचालक डॉ राजीव शर्मा के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव विभाग से तलब कर

लिया है। 30 साल से जमा था ड्रांसफर के व्यय पर 2 बार सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ है कि AVFO नरोत्तम समर्थ पिछले 30 वर्षों से एक ही जगह पर पैर जमाए बैठे थे। उसने नाटकीय अंदाज में कागजों पर खुद के व्यय पर 2 बार अपना ड्रांसफर करवाया, लेकिन तत्कालीन उपसंचालकों से साठगांठ कर कभी अपनी नई पदस्थापना पर गया ही नहीं। पहली बार 2016 में अपना स्थानांतरण स्वैच्छिक आधार पर पशु औषधावल्य बकावड जिला बस्तर हुआ और स्थानांतरण के पश्चात इनके रिलीवर तो आये लेकिन ये नहीं गए। इसके साथ ही संबंधित AVFO उपसंचालकों से साठगांठ कर पिछले 20 सालों से नियम

विरुद्ध उपसंचालक कार्यालय में संलग्न होकर के मलाईदार शाखा के प्रभारी बने बैठे हैं। इस दौरान उस पर भ्रष्टाचार और गंभीर अनियमितताओं के कई आरोप लगे। शिकायतों का पुलिंदा जब पशुपालन मंत्री रामविचार नेताम पर पैर जमाए बैठे थे। उसने नाटकीय अंदाज में कागजों पर खुद के व्यय पर 2 बार अपना ड्रांसफर करवाया, लेकिन तत्कालीन उपसंचालकों से साठगांठ कर कभी अपनी नई पदस्थापना पर गया ही नहीं। पहली बार 2016 में अपना स्थानांतरण स्वैच्छिक आधार पर पशु औषधावल्य बकावड जिला बस्तर हुआ और स्थानांतरण के पश्चात इनके रिलीवर तो आये लेकिन ये नहीं गए। इसके साथ ही संबंधित AVFO उपसंचालकों से साठगांठ कर पिछले 20 सालों से नियम

शिप्रा विद्यालय में एचपीवी टीकाकरण अभियान संपन्न छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

विश्व केसरी ■ **कोंडगांव।** कोंडगांव जिला के केशकाल नगर के शिप्रा विद्यालय में छात्राओं के स्वास्थ्य एवं भविष्य को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमावायरस) टीकाकरण अभियान का आयोजन किया गया। अभियान के दौरान विद्यालय की पात्र छात्राओं को एचपीवी का टीका लगाया गया तथा टीकाकरण का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। टीकाकरण के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छात्राओं को एचपीवी संक्रमण से बचाव और टीकाकरण के महत्व के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। साथ ही छात्राओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति



जागरूक रहने तथा समय-समय पर स्वास्थ्य संबंधी जांच एवं परामर्श लेने के लिए प्रेरित किया

है। विद्यालय में आयोजित इस अभियान से छात्राओं एवं उनके अभिभावकों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। टीकाकरण कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय प्रबंधन एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। एचपीवी टीकाकरण अभियान के पूर्ण होने पर विद्यालय प्रबंधन ने स्वास्थ्य विभाग की टीम का आभार व्यक्त किया। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देते हुए नियमित रूप से स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया।

गुरुकुल और एकाडेमिक वर्ल्ड स्कूल ने जैती फुटबॉल प्रतियोगिता कवर्धो। गुरुकुल पब्लिक स्कूल में जिला स्तरीय अंतर्विद्यालयीन अंडर-19 फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन हुआ। इस प्रतियोगिता में गुरुकुल व एकाडेमिक वर्ल्ड स्कूल विजयी रहे। फाइनल प्रतियोगिता के अतिथि के रूप में नितेश खबड़ा ख्यातिप्राप्त क्रीड़ा पत्रकार, संस्था के पदाधिकारीगण तथा शाला के प्राचार्य मंचासीन थे। सेमीफाइनल गुरुकुल पब्लिक स्कूल तथा स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम शाला बोडौला तथा एकाडेमिक वर्ल्ड स्कूल भेमेतरा तथा स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम शाला छुईखदान के मध्य हुआ। इसमें गुरुकुल 3-0 व एकाडेमिक वर्ल्ड स्कूल 2-0 से विजयी हुए। अंत में गुरुकुल पब्लिक स्कूल एवं एकाडेमिक वर्ल्ड स्कूल के साथ संघर्षपूर्ण रोमांचक मैच हुआ। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने पूरे जोश एवं उत्साह के साथ एक दूसरे से कड़ा मुकाबला करते हुए प्रतियोगिता को रोमांचक बना दिया।

मिनी स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों का कलेक्टर ने लिया जायजा

विश्व केसरी ■ **महासमुंद।** 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को गरिमापूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित करने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने मिनी स्टेडियम पहुंचकर समारोह स्थल का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मंच, मैदान, बैरिकेडिंग सहित विभिन्न तैयारियों का बारीकी से निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर लंगेह ने कहा कि समारोह से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय-सीमा में पूरी कर ली जाएं। उन्होंने मंच की साज-सज्जा के साथ आयोजन स्थल पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश



दिए, ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी भी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने दर्शकों एवं अतिथियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बैठने की व्यवस्था, पेयजल, प्रवेश और निकास मार्ग को व्यवस्थित रखने तथा बैरिकेडिंग को मजबूत एवं सुव्यवस्थित करने के निर्देश दिए। आयोजन स्थल पर भीड़

प्रबंधन और आवागमन को लेकर भी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने कहा गया। कलेक्टर ने स्वतंत्रता दिवस समारोह में स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों को देशभक्ति की भावना से परिपूर्ण बनाने के साथ स्थानीय कला एवं संस्कृति को भी प्रमुखता देने के

निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम की प्रस्तुति में अनुशासन और गरिमा बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। मौसम की संभावित स्थिति को देखते हुए कलेक्टर ने सभी पंढालों को वाटरप्रूफ रखने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग को आयोजन स्थल पर पर्याप्त मात्रा में ओआरएस उपलब्ध रखने तथा मेडिकल टीम की तैनाती सुनिश्चित करने कहा गया, ताकि किसी आपात स्थिति में तत्काल स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर रवि कुमार साहू सहित पुलिस विभाग, लोक निर्माण विभाग, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, आदिवासी विकास विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के जिला अधिकारी और आयोजन से जुड़े अधिकारी मौजूद रहे।

उपभोक्ता निश्चित होकर ई20 पेट्रोल का कर सकते हैं उपयोग, निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप है ईंधन: सरकार

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ई20 पेट्रोल की गुणवत्ता को लेकर सामने आई चिंताओं को खारिज करते हुए कहा है कि उपभोक्ताओं को इस ईंधन का इस्तेमाल पूरी तरह भरोसे के साथ जारी रखना चाहिए। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को स्पष्ट किया कि तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा ई20 पेट्रोल निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप है और इसकी निगरानी के लिए मजबूत गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्था लागू है।

मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि हाल के दिनों में कुछ मीडिया रिपोर्टों में ई20 पेट्रोल में नमी और क्लोराइड की मौजूदगी को लेकर सवाल उठाए गए थे, जिसके बाद तेल कंपनियों ने पूरे देश में ई20 पेट्रोल की सप्लाई चेन में अतिरिक्त और व्यापक परीक्षण अभियान चलाया।

सरकार के अनुसार, इन परीक्षणों के नतीजों से यह साफ हुआ है कि ईंधन की गुणवत्ता निर्धारित सीमा से काफी बेहतर स्तर पर बनी हुई है। मंत्रालय ने कहा कि वैज्ञानिक तरीकों से किए गए व्यापक और यादृच्छिक परीक्षणों में ईंधन के दूषित होने का कोई प्रमाण नहीं मिला है।



बयान में कहा गया, ‘कुछ दावों के विपरीत, वैज्ञानिक आधार पर किए गए व्यापक परीक्षणों से यह स्पष्ट हुआ है कि ईंधन में किसी प्रकार के प्रदूषण या गुणवत्ता संबंधी समस्या को लेकर चिंता की कोई वजह नहीं है। तेल कंपनियों ने भी ग्राहकों को भरोसा दिलाया है कि ईंधन की गुणवत्ता उनके लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि कभी कोई ऐसा मुद्दा सामने आता है जिससे वाहन के प्रदर्शन या उपभोक्ता विश्वास पर असर पड़ सकता हो, तो उसकी तत्काल वैज्ञानिक जांच की जाती है और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाते हैं।’ मंत्रालय के अनुसार, ईंधन की गुणवत्ता पर निगरानी को और मजबूत बनाने के लिए देश भर के प्रत्येक पेट्रोल पंप पर रोजाना 8 से 12 बार पानी की मिलावट और घनत्व की जांच की जा रही है।

बिहार की प्रतिभा और उत्पादों को वैश्विक बाजार में मिल रही नई पहचान, एफटीए से खुल रहे निर्यात के नए रास्ते: पीयूष गोयल

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि बिहार की प्रतिभा और उत्पाद अब वैश्विक बाजारों में एक नई पहचान बना रहे हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के नए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के साथ ‘बिहार के कृषि और कृषि-प्रसंस्कृत, वस्त्र, चमड़ा, फुटवियर, इंजीनियरिंग, रसायन और फार्मास्यूटिकल उत्पादों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजारों के द्वार खुल रहे हैं’।

मंत्री ने कहा कि बिहार के उत्पाद अब केवल घरेलू बाजार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि दुनिया के विभिन्न देशों में अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं, जिससे राज्य के किसानों, छोटे उद्योगों और निर्यातकों को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है।

भारत ने वित्त वर्ष 2025–26 में 863.1 अरब डॉलर के रिकॉर्ड निर्यात का आंकड़ा हासिल किया है, और विभिन्न मुक्त व्यापार समझौते भारतीय कंपनियों और उत्पादों को वैश्विक बाजारों तक बेहतर पहुंच प्रदान कर रहे हैं और निर्यात को अधिक विविध बनाकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों को मजबूत कर रहे हैं।

सरकार ने निर्यात बाजारों में विविधता लाने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें नए मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर करना, प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ व्यापार वार्ता आगे बढ़ाना और विभिन्न निर्यात प्रोत्साहन गतिविधियों को बढ़ावा देना शामिल है। इसके लिए, निर्यात संवर्धन मिशन, विदेशों में भारतीय मिशन, निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसी), उद्योग संगठनों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर काम किया जा रहा है।

पिछले पांच वर्षों में भारत ने 9



महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। इनमें भारत-मॉरीशस सीईपीए, भारत-यूईई सीपीए, भारत-ऑस्ट्रेलिया ईसीटीए, भारत-ईएफटीए टीईपीए, भारत-ओमान सीईपीए, भारत-यूके सीईटीए और भारत-न्यूजीलैंड एफटीए जैसे समझौते शामिल हैं।

सरकार के अनुसार, इन समझौतों का मुख्य उद्देश्य व्यापारिक साझेदार देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाना, बाजार पहुंच का विस्तार करना और दोनों पक्षों की आर्थिक क्षमताओं का बेहतर उपयोग करना है।

मुक्त व्यापार समझौतों से भारतीय उद्योगों, किसानों और उद्यमियों को निर्यात के नए अवसर मिलते हैं। साथ ही रोजगार सृजन, निवेश वृद्धि और उत्पादन क्षमता बढ़ाने में भी मदद मिलती है। विशेष रूप से श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे टेक्स्टाइल, परिधान और चमड़ा उद्योग को इन समझौतों से बड़ा फायदा हो सकता है।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और बेहतर तिमाही नतीजों से घरेलू बाजार ने दर्ज की लगातार दूसरी हफ्ते बढ़त, निवेशकों का भरोसा मजबूत



विश्व केसरी ■
मुंबई। कच्चे तेल की कीमतों में आई तेज गिरावट और वित्त वर्ष 2026–27 की पहली तिमाही के उम्मीद से बेहतर कॉरपोरेट नतीजों ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया, जिसके चलते भारतीय शेयर बाजार ने लगातार दूसरे सप्ताह बढ़त दर्ज की है। हालांकि सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन मुनाफावसूली देखने को मिली, फिर भी प्रमुख सूचकांक साप्ताहिक आधार पर सकारात्मक बढ़त के साथ बंद हुए।

सप्ताह के दौरान निफ्टी 0.77 प्रतिशत मजबूत हुआ, लेकिन शुक्रवार को इसमें 0.27 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 24,570 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं सेंसेक्स 455 अंक यानी 0.58 प्रतिशत गिरकर 78,499 पर बंद हुआ। इसके बावजूद पूरे सप्ताह में

सेंसेक्स ने 0.52 प्रतिशत की बढ़त हासिल की।

वहीं, व्यापक बाजार ने मुख्य सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया। सप्ताह के दौरान निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.87 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 2.73 प्रतिशत उछल गया। यह दर्शाता है कि निवेशकों का रुझान बड़े शेयरों के साथ-साथ मध्यम और छोटी कंपनियों की ओर भी बढ़ रहा है।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, स्मॉल-कैप शेयरों का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा।

मजबूत तिमाही नतीजों और कंपनियों से जुड़े सकारात्मक घटनाक्रमों के चलते निवेशकों का रुझान इस श्रेणी की कंपनियों की ओर बना रहा। दूसरी ओर, पीएसयू बैंकिंग शेयरों में बेहतर बुनियादी स्थिति और मजबूत वित्तीय प्रदर्शन

के कारण अच्छी खरीदारी देखने को मिली।

मेटल सेक्टर को देश में मजबूत मांग और आर्थिक विकास की बेहतर संभावनाओं का फायदा मिला। वहीं ऑटोमोबाइल कंपनियों के शेयरों में भी तेजी रही, क्योंकि बाजार को उम्मीद है कि आगामी त्योहारी सीजन में वाहनों की मांग मजबूत रहेगी।

सप्ताह की शुरुआत कुछ उतार-चढ़ाव के साथ हुई थी, जिसका कारण फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस 83.55 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। हालांकि यह अब भी पिछले सप्ताह के बंद स्तर 90.12 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बना

के कारण अच्छी खरीदारी देखने को मिली।

मेटल सेक्टर को देश में मजबूत मांग और आर्थिक विकास की बेहतर संभावनाओं का फायदा मिला। वहीं ऑटोमोबाइल कंपनियों के शेयरों में भी तेजी रही, क्योंकि बाजार को उम्मीद है कि आगामी त्योहारी सीजन में वाहनों की मांग मजबूत रहेगी।

सप्ताह की शुरुआत कुछ उतार-चढ़ाव के साथ हुई थी, जिसका कारण फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस 83.55 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। हालांकि यह अब भी पिछले सप्ताह के बंद स्तर 90.12 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बना

अगले सप्ताह कच्चे तेल की कीमतें और रुपए की चाल तय करेंगी कमोडिटी बाजार की दिशा: विशेषज्ञ

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। कमोडिटी बाजार के लिए आने वाला सप्ताह काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगी। खास तौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़ी भू-राजनीतिक परिस्थितियों पर निवेशकों की नजर बनी रहेगी।

इस सप्ताह के दौरान वैश्विक तेल बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 1.29 प्रतिशत चढ़कर 83.55 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। हालांकि यह अब भी पिछले सप्ताह के बंद स्तर 90.12 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बना



हुआ है। वहीं अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) डिलीवरी वाला क्रूड 78.18 डॉलर प्रति बैरल

हुआ है। वहीं अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) डिलीवरी वाला क्रूड 78.18 डॉलर प्रति बैरल

हुआ है। वहीं अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) डिलीवरी वाला क्रूड 78.18 डॉलर प्रति बैरल

विश्लेषकों के अनुसार, तेल बाजार में

हुआ है। वहीं अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) डिलीवरी वाला क्रूड 78.18 डॉलर प्रति बैरल

हुआ है। वहीं अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) डिलीवरी वाला क्रूड 78.18 डॉलर प्रति बैरल

यह अस्थिरता मुख्य रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रमों के कारण रही, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्गों में से एक माना जाता है। बाजार में यह उम्मीद बन रही है कि इस क्षेत्र में जहाजरानी को लेकर कोई समझौता हो सकता है, जिससे तेल आपूर्ति सुचारू हो सकेगी।

सप्ताह की शुरुआत में डब्ल्यूटीआई क्रूड में तेज गिरावट आई थी, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई को रोकते हुए कूटनीतिक समाधान की दिशा में आगे बढ़ने का संकेत दिया।

बाद में जलमार्ग संचालन को लेकर सकारात्मक खबरों के चलते तेल कीमतों में कुछ सुधार देखने को मिला।

यह अस्थिरता मुख्य रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रमों के कारण रही, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्गों में से एक माना जाता है। बाजार में यह उम्मीद बन रही है कि इस क्षेत्र में जहाजरानी को लेकर कोई समझौता हो सकता है, जिससे तेल आपूर्ति सुचारू हो सकेगी।

सप्ताह की शुरुआत में डब्ल्यूटीआई क्रूड में तेज गिरावट आई थी, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई को रोकते हुए कूटनीतिक समाधान की दिशा में आगे बढ़ने का संकेत दिया।

बाद में जलमार्ग संचालन को लेकर सकारात्मक खबरों के चलते तेल कीमतों में कुछ सुधार देखने को मिला।

वैश्विक टेक सेक्टर में 2026 में गई 1.63 लाख से ज्यादा नौकरियां, एआई के चलते बढ़ी छंटनी की रफ्तार: रिपोर्ट

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। वैश्विक टेक्नोलॉजी उद्योग में इस साल छंटनी का दौर लगातार जारी है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 की शुरुआत से अब तक दुनिया भर की टेक कंपनियों को छंटनी कर चुकी हैं। इनमें से बड़ी संख्या में नौकरियां ऐसी हैं, जहां कंपनियों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को प्रमुख कारणों में से एक बताया है।

ट्रेंडिंग प्लेटफॉर्मस की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2026 में अब तक

कुल 1,63,427 कर्मचारियों की छंटनी की गई है, जिनमें से 91,215 नौकरियों पर एआई का सीधा या परोक्ष प्रभाव बताया गया है। इससे संकेत मिलता है कि कंपनियां तेजी से ऑटोमेशन और एआई तकनीकों को अपनाने हुए अपने कार्यबल का पुनर्गठन कर रही हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में क्लाउड और सास कंपनियां रहीं, जहां 37,492 कर्मचारियों की छंटनी हुई। इसके बाद आई-कॉमर्स और मार्केटप्लेस सेक्टर में 22,633, आईटी सेवाओं में 16,756 और

सोशल मीडिया कंपनियों में 13,592 नौकरियां समाप्त की गईं। एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर सेक्टर में भी कुल छंटनी का करीब 8.14 प्रतिशत हिस्सा रहा।

एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर सेक्टर में हुई छंटनी का सबसे बड़ा प्रभाव अमेरिका में देखने को मिला। इस क्षेत्र में हुई कुल छंटनी का लगभग 88.6 प्रतिशत हिस्सा अमेरिकी कंपनियों से जुड़ा रहा। वैश्विक स्तर पर दर्ज 13,308 छंटनियों में से 11,792 केवल अमेरिकी कंपनियों में हुई।

अमेरिकी कंपनियों में सिस्को



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। डॉलर इंडेक्स पर दबाव और महंगाई कम होने की संभावना के चलते सोने और चांदी में इस हफ्ते तेजी देखने को मिली, जिससे सोना और चांदी क्रमशः 6 हजार रुपए और 13 हजार रुपए से अधिक महंगे हो गए हैं।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 6,761 रुपए बढ़कर 1,49,621 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह

7 अगस्त को शाम के सत्र में 1,49,621 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया।

सोने के साथ चांदी की कीमत में भी तेजी देखने को मिली है। चांदी का दाम 13,086 रुपए बढ़कर 2,31,381 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,18,295 रुपए प्रति किलो था।

इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 7 अगस्त को शाम के सत्र में 2,31,381 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 3 अगस्त को शाम के सत्र में 2,17,287 रुपए प्रति किलो देखा गया।

आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों को जारी किया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम 4,400 डॉलर प्रति औंस का चांदी का दाम 63 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में तेजी की वजह कच्चे तेल में कमजोरी आने के कारण महंगाई की संभावना कम होना है।

तमिलनाडु के डेयरी नेटवर्क में 22,500 दुधारू गायें जोड़ने की तैयारी, ग्रामीणों को दी जाएंगी मुफ्त

विश्व केसरी ■
चेन्नई। तमिलनाडु की मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार ने ग्रामीण डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने और कोऑपरेटिव डेयरी ब्रांड आविन द्वारा दूध खरीद में आई गिरावट को दूर करने के लिए सहकारी डेयरी नेटवर्क में 22,500 अतिरिक्त दुधारू गायों को शामिल करने की योजना बनाई है।

इस पहल के तहत वर्ष 2026-27 में ग्रामीण लाभार्थियों को 10,000 दुधारू गायें मुफ्त वितरित करने का प्रस्ताव है। इसके साथ ही मध्यम और मिनी डेयरी योजनाओं के जरिए 12,500 अतिरिक्त गायों की खरीद को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

डेयरी विस्तार कार्यक्रम का विवरण राज्य सरकार द्वारा पशुपालन क्षेत्र को मजबूत करने और ग्रामीण दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ाने के लिए घोषित नवीनतम कदमों के तहत सामने



आया है। सरकार को उम्मीद है कि इन उपायों से आने वाले कुछ वर्षों में आविन की दैनिक दूध खरीद में कम से कम 1.5 लाख लीटर की बढ़ोतरी होगी।

योजना के लाभार्थियों को गांव स्तर की प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों से जोड़ा जाएगा, जिससे वे आविन को दूध की आपूर्ति कर सकेंगे। साथ ही उन्हें पशु चारा सब्सिडी और अन्य सरकारी सहायता भी मिल सकेगी। यह पहल ऐसे समय में महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जब आविन की औसत दैनिक दूध खरीद एक साल पहले के लगभग 35 लाख लीटर से घटकर करीब 31.5 लाख लीटर रह गई है। बेहतर खरीद मूल्य मिलने के

कारण कुछ डेयरी किसान निजी डेयरियों की ओर रुख कर चुके हैं। इसके अलावा, आविन को खरीदे जा रहे दूध में औसत फैट और सोलिड्स-नॉट-फैट की मात्रा में गिरावट जैसी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है।

डेयरी योजनाओं के तहत प्रस्तावित 12,500 गायों में से 2,500 गायें 500 नई मध्यम आकार की डेयरी इकाइयों के लिए खरीदी जाएंगी। प्रत्येक इकाई में पांच गायें होंगी। शेष 10,000 गायें मौजूदा मिनी डेयरी कार्यक्रम के तहत खरीदी जाएंगी, जिसमें 5,000 इकाइयों को शामिल किया जाएगा और प्रत्येक इकाई में दो-दो गायें होंगी।

मीडियम डेयरी योजना के तहत, लाभार्थी शुरू में तीन गायें खरीदेंगे और छह महीने तक उनकी देखभाल करेंगे, जिसके बाद वे और दो गायें खरीदने के लिए आर्थिक मदद पाने के हकदार होंगे।

यह अस्थिरता मुख्य रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रमों के कारण रही, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्गों में से एक माना जाता है। बाजार में यह उम्मीद बन रही है कि इस क्षेत्र में जहाजरानी को लेकर कोई समझौता हो सकता है, जिससे तेल आपूर्ति सुचारू हो सकेगी।

सप्ताह की शुरुआत में डब्ल्यूटीआई क्रूड में तेज गिरावट आई थी, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई को रोकते हुए कूटनीतिक समाधान की दिशा में आगे बढ़ने का संकेत दिया।

बाद में जलमार्ग संचालन को लेकर सकारात्मक खबरों के चलते तेल कीमतों में कुछ सुधार देखने को मिला।

गेहूं की रोटी छोड़ें! आयुर्वेद डॉक्टर से जानें 7 सबसे सेहतमंद रोटियों के फायदे, मिलेगा ज्यादा प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन

क्या आप भी रोज गेहूं की रोटी खाते हैं? आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉ. सलीम जैदी के मुताबिक, डाइट में बाजरा, रागी, बेसन और ज्वार जैसी 7 रोटियों को शामिल करने से पाचन बेहतर होता है, शुगर कंट्रोल रहती है और शरीर को भरपूर न्यूट्रिशन मिलता है.

भारत में शायद ही कोई ऐसा घर हो जहाँ बिना रोटी के खाना पूरा माना जाता हो. हम में से ज्यादातर लोग रोज गेहूं की ही रोटी खाते हैं, क्योंकि सालों से हमारे घरों में यही बनती आ रही है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि रोजाना सिर्फ गेहूं की रोटी खाना आपकी सेहत के लिए उतना फायदेमंद नहीं है जितना आप सोचते हैं? हद से ज्यादा गेहूं की रोटी खाने से वजन बढ़ सकता है और ब्लड शुगर लेवल भी ट्रिगर हो सकता है. खासकर उनके लिए जिनकी लाइफस्टाइल ज्यादा एक्टिव नहीं है.

25 से भी ज्यादा सालों का अनुभव रखने वाले जाने-माने आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉ. सलीम जैदी के अनुसार, अगर आप अपनी डाइट में गेहूं के अलावा दूसरी रोटियों को शामिल करते हैं, तो इससे आपका पाचन बेहतर होगा, इन्सुलिनो मजबूत होगी और शरीर को दिनभर एनर्जी मिलेगी. आयरन और मैग्नीशियम से भरपूर बाजरा टंड के दिनों में शरीर

7 सबसे हेल्दी रोटियां



को अंदर से गर्म रखता है. यह खून की कमी (एनीमिया) दूर करने और ब्लड शुगर कंट्रोल करने में बेहद मददगार है.

Anarsa Recipe :

सबन में घर पर बनाए दादी-नानी स्टाइल चावल का अनरसा, हर बाइट में मिलेगा देसी स्वाद, आसान है

रागी रोटी (Ragi Roti): अगर आप हड्डियां मजबूत करना चाहते हैं, तो रागी की रोटी बेस्ट है. इसमें भरपूर कैल्शियम और आयरन होता है. लो-ग्लाइसेमिक इंडेक्स होने के कारण यह डायबिटीज मरीजों के लिए वरदान है.

मक्की की रोटी (Makki Roti): सर्दियों में पसंद की जाने वाली मक्की की रोटी में विटामिन-ए होता है, जो स्टेमिना बढ़ाता है. हालांकि, इसे पचना थोड़ा भारी होता है, इसलिए इसे सरसों के साग या छछ के साथ सीमित मात्रा में ही

खाना चाहिए. चावल के आटे की रोटी (Rice Flour Roti): पेट खराब हो या पाचन कमजोर हो, तो चावल के आटे की हल्की और ग्लूटेन-फ्री रोटी सबसे बेहतरीन होती है, इसलिए इसे सरसों के साग मेंटन रखती है।

‘मेरा बच्चा मेरी हर बात मानता है’.. खुश होने से पहले जान लें इसके साइड इफेक्ट्स, छीन सकती है बच्चे की सोचने की क्षमता

अक्सर हर बात मानने वाले बच्चे को हम अच्छे संस्कार वाला मान लेते हैं. लेकिन हमेशा 'हाँ' कहने की यह आदत उसके मेंटल ग्रोथ के लिए खतरनाक साबित हो सकती है. अत्यधिक आज्ञाकारिता के चक्कर में बच्चे खुलकर अपने विचार व्यक्त करने की क्षमता खो देते हैं. उनमें खुद फैसले न ले पाने और 'ना' न कह पाने की झिझक घर कर जाती है. जानिए अधिक आज्ञाकारी बच्चों में दिखने वाले साइड इफेक्ट्स और सही पैरेंटिंग टिप्स.

हमारी सोसायटी उस बच्चे को सबसे 'संस्कारी' और 'सुलझा हुआ' मान लेती है जो बड़ों की हर बात बिना कोई सवाल उठाए चुपचाप मान लेता है. माता-पिता भी रिश्तेदारों और पड़ोसियों के सामने बड़े गर्व से कहते हैं, 'मेरा बच्चा तो बहुत सीधा है, कभी आगे से जवाब ही नहीं देता, जो कहो चुपचाप कर लेता है.' लेकिन क्या आपने कभी ठहरकर सोचा है कि हर बात में 'हाँ' में सिर हिलाने की यह आदत आपके बच्चे के दिमाग और उसकी पर्सनैलिटी पर क्या असर डाल रही है?

अपनी बात न कह पाने का डर और घुटन-जब बचपन से ही बच्चों को हर बात पर चुप रहना और हां में हां कहना सिखाया जाता है, तो यह उनके दिमाग की प्रोग्रामिंग का हिस्सा बन जाता है. उन्हें धीरे-धीरे यह लगने लगता है कि अपनी कोई राय रखना या बड़ों के सामने बोलना उनका अधिकार ही नहीं है.

ऐसे बच्चे जब बड़े होते हैं और जिंदगी के किसी मोड़ पर उन्हें अपने हक के लिए बोलना होता है, तब भी वे खामोश रह जाते हैं. बचपन से बैठा यह डर उनके स्वभाव में इस कदर रच-बस जाता है कि बड़े होने के बाद भी वे चाहकर अपनी आवाज नहीं उठा पाते और हमेशा झिझक में जीते हैं.

आज्ञाकारिता या डांट का खौफ? बच्चा सच में आपकी बात का सम्मान कर रहा है या फिर माता-पिता का प्यार और तारीफ खोने के डर से 'हाँ' कह रहा है—इन दोनों बातों में बहुत बारीक अंतर होता है.

मान लीजिए, आपने बच्चे को किसी काम के लिए कहा और उसने बिना एक पल सोचे अपना पसंदीदा कार्टून देखा या दोस्तों के साथ खेलने का प्लान रद्द कर दिया. यह हमेशा अच्छे संस्कारों की निशानी नहीं होती. कई बार बच्चा ऐसा सिर्फ इसलिए करता है क्योंकि उसके मन में यह खौफ होता है कि 'ना' कहने पर मम्मी-पापा गुस्सा हो जाएंगे या उसे 'बुरा बच्चा' समझ लेंगे।

57 साल के रवि किशन ने घटाया 18 किलो वजन, गाय-मैस नहीं, इस फल का पीते हैं दूध, कहा- ‘मैं शुद्ध शाकाहारी हूं...’

57 की उम्र में 18 किलो वजन कम कर रवि किशन ने अपनी फिटनेस से खूब ध्यान खींचा है. एक बातचीत में उन्होंने अपनी डाइट और एक्सरसाइज रूटीन के बारे में बताया. रवि किशन पूरी तरह शाकाहारी हैं और अंडा भी नहीं खाते. जानिए फिट रहने के लिए कैसी डाइट और लाइफस्टाइल फॉलो करते हैं...

भोजपुरी फिल्मों से लेकर हिंदी सिनेमा में अपनी पहचान बनाने वाले गोरखपुर से सांसद रवि किशन अपनी दमदार एक्टिंग और एनर्जेटिक अंदाज के लिए जाने जाते हैं.

इन दिनों वह सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं, तरह-तरह के फनी मीम्स शेयर हो रहे हैं. इसके अलावा 57 साल की उम्र में भी वह काफी फिट हैं. उन्होंने अपनी फिटनेस जर्नी के दौरान 18 किलो वजन कम करने की बात कही है. एक हालिया बातचीत में उन्होंने अपनी डाइट और फिटनेस रूटीन के बारे में भी खुलकर बताया. रवि किशन के मुताबिक, वह पूरी तरह शाकाहारी हैं और अंडा भी नहीं खाते. वह अपनी डाइट में सब्जियों और प्लांट-बेस्ड फूड्स को खास जगह देते हैं.

पूरी तरह शाकाहारी हैं रवि किशन रेड ईंक को दिए एक इंटरव्यू में रवि किशन ने बताया कि वह प्योर वेजिटेरियन हैं. यानी उनकी डाइट में मांस, मछली और अंडा शामिल नहीं है. उन्होंने यह भी बताया कि प्रोटीन के



लिए अंडा खाना जरूरी नहीं है और शाकाहारी भोजन में भी प्रोटीन के कई स्रोत मौजूद हैं. दालें, बीन्स, चना, राजमा, सोया, पनीर और डेयरी उत्पाद जैसे खाद्य पदार्थ शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन के अच्छे स्रोत हो सकते हैं .

.कच्ची सब्जियों को भी देते हैं जगह

रवि किशन ने अपनी बातचीत में कच्ची सब्जियों का भी जिक्र किया. सब्जियां फाइबर, विटामिन, मिनरल और कई तरह के प्लांट कंपाउंड्स प्रदान करती हैं. सलाद के तौर पर खाई जाने वाली सब्जियां डाइट में फाइबर

बढ़ाने का आसान तरीका हो सकती हैं. हालांकि हर सब्जी को कच्चा खाना जरूरी नहीं है. कुछ सब्जियों को पकाने से उनका पाचन आसान हो सकता है और कुछ पोषक तत्व शरीर के लिए ज्यादा उपलब्ध हो सकते हैं.

रवि किशन ने बताया कि वह अब सामान्य दूध नहीं लेते और इसकी जगह नारियल का दूध इस्तेमाल करते हैं. हालांकि नारियल का दूध और गाय या भैंस का दूध पोषण की दृष्टि से एक जैसे नहीं होते. नारियल के दूध में प्रोटीन अपेक्षाकृत कम होता है, इसलिए अगर कोई व्यक्ति डेयरी

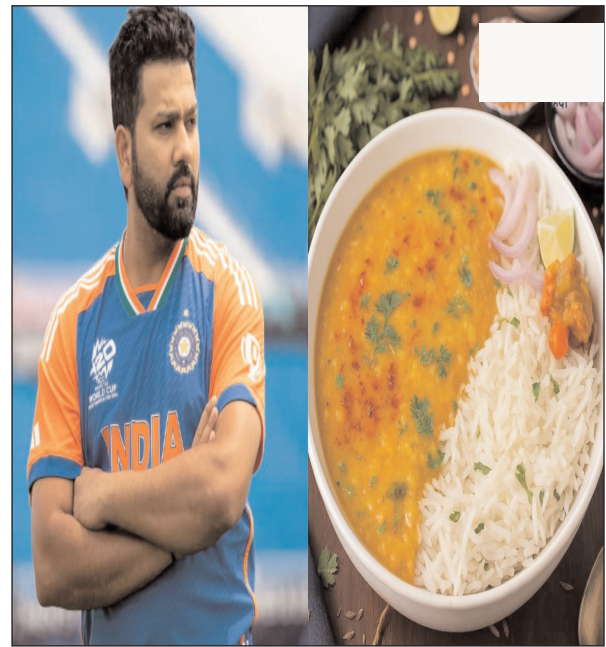
मिल्क की जगह इसे लेता है तो उसे प्रोटीन और कैल्शियम जैसे पोषक तत्वों के दूसरे स्रोतों पर भी ध्यान देना चाहिए.

रवि किशन ने बताया है कि एक्सरसाइज उनकी लाइफस्टाइल का जरूरी हिस्सा है. नियमित शारीरिक गतिविधि शरीर को सक्रिय रखने, मांसपेशियों की ताकत बनाए रखने और वजन प्रबंधन में मदद कर सकती है. खासकर 50 की उम्र के बाद स्ट्रेच ट्रेनिंग और पर्याप्त प्रोटीन पर ध्यान देना मांसपेशियों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

‘दाल-चावल ही पसंद है भाई’, जानिए क्यों फैंसी मील छोड़ देसी फूड पर भरोसा करते हैं हिटमैन रोहित शर्मा

‘दाल-चावल ही खाते हैं हम, मेरे को वही पसंद है भाई...’ टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और हिटमैन रोहित शर्मा का यह देसी अंदाज एक बार फिर सुर्खियों में है. जहां आज के दौर में एथलीट खुद को फिट रखने के लिए फैंसी मीलस, एर्जेंटिक डाइट्स और भारी-भरकम प्रोटीन शेक्स का सहारा लेते हैं, वहीं रोहित शर्मा की फिटनेस और एनर्जी का राज बेहद साधारण और भारतीय है. आखिर क्यों दुनिया के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में शुमार रोहित शर्मा फैंसी डाइट ट्रेंड्स को छोड़ देसी खाने पर भरोसा करते हैं और कैसे ‘दाल-चावल’ उनके रूटीन का अहम हिस्सा है? आइए जानते हैं.

भारतीय क्रिकेट टीम के ‘हिटमैन’ यानी रोहित शर्मा न केवल अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी, बल्कि अपने बेबाक और देसी अंदाज के लिए भी जाने जाते हैं. आज के दौर में जहां एथलीट खुद को फिट रखने के लिए फैंसी मीलस, एर्जेंटिक डाइट्स और भारी-भरकम इंटरनेशनल प्रोटीन चार्ट के पीछे भागते हैं, वहीं रोहित शर्मा का फिटनेस फंडा एकदम सिंपल और भारतीय है. रोहित शर्मा का मानना है कि उन्हें अपनी जड़ों से जुड़ा खाना ही सबसे ज्यादा ताकत और मानसिक संतुष्टि देता है. आइए जानते हैं कि फैंसी डाइट को दरकिनार कर हिटमैन कैसे दाल-



चावल, रसम राइस और साधारण भारतीय भोजन के दम पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना जलवा बिखेर रहे हैं.

‘दाल-चावल तो हमारा पेटेंट खाना है’

फैंसी और ट्रेडिंग डाइट्स का पीछा करने वाले लोगों के लिए रोहित शर्मा की सोच एक बेहतरीन मिसाल है. अपनी फूड हैबिट्स पर खुलकर बात करते हुए रोहित ने कहा, ‘दाल-चावल ही खाते हैं हम लोग, दाल-चावल सब जगह मिलता है. पेटेंट खाना है हमारा दाल-चावल, मेरा सबसे फेवरेट है. मतलब मैं कहीं पर

भी, कभी भी खा सकता हूं. ‘ बचपन में कोच के घर जाकर खाते थे अंडे साधारण देसी खाने के अलावा रोहित शर्मा अपनी डाइट में प्रोटीन के लिए अंडों को अहम मानते हैं. हालांकि, बचपन में उनके घर पर अंडे नहीं बनते थे. अपने बचपन का एक दिलचस्प किस्सा साझा करते हुए उन्होंने हैबिट्स पर खुलकर बात करते बताया, ‘मैं अंडे बहुत पसंद करता हूं, बचपन से खाना पसंद करता हूं. अंडों में काफी प्रोटीन भी होता है. हमारे घर में अंडे हमारा दाल-चावल, मेरा सबसे बढते नहीं थे, तो मेरे जो कोच थे, वे ऊपर रहते थे।

क्या आप सही इंसान के साथ हैं? Green Flags और Red Flags बताएंगे रिश्ते की सच्चाई, यही तय करते हैं प्यार का भविष्य

किसी भी रिश्ते की मजबूती केवल प्यार से नहीं, बल्कि सम्मान, भरोसे और स्वस्थ संवाद से तय होती है. Green Flags अच्छे रिश्ते की पहचान हैं, जबकि Red Flags समय रहते पहचान लेना जरूरी है ताकि भविष्य में भावनात्मक परेशानियों से बचा जा सके.

रिश्तों की शुरुआत अक्सर खूबसूरत एहसासों से होती है. प्यार, भरोसा और साथ निभाने के वादे हर रिश्ते को खास बनाते हैं. लेकिन समय के साथ कई बार छोटी-छोटी बातें यह संकेत देने लगती हैं कि रिश्ता मजबूत हो रहा है या धीरे-धीरे कमजोर पड़ रहा है. ऐसे में सिर्फ प्यार ही काफी नहीं होता, बल्कि यह समझना भी जरूरी होता है कि सामने वाला व्यक्ति आपके लिए सही है या नहीं. आजकल सोशल मीडिया पर Green Flags और Red Flags जैसे शब्द खूब सुनने को मिलते हैं.

ये केवल ट्रेंडिंग टर्म नहीं हैं, बल्कि रिश्ते की सेहत को समझने का आसान तरीका भी हैं. अगर इन संकेतों को समय रहते पहचान लिया जाए तो भविष्य में कई भावनात्मक परेशानियों से बचा जा सकता है.

रिश्तों में Green Flags क्या होते हैं? Green Flags ऐसे सकारात्मक संकेत हैं जो बताते हैं कि आपका रिश्ता स्वस्थ, सम्मानजनक और भरोसेमंद है. अगर आपका पार्टनर आपकी बात ध्यान से सुनता है, आपकी भावनाओं की कद्र करता है और मुश्किल समय में आपका साथ देता है, तो ये अच्छे रिश्ते की निशानी मानी जाती है. हर रिश्ते में मतभेद होना सामान्य बात है, लेकिन जब बहस के बाद दोनों लोग एक-दूसरे को समझने की कोशिश करें और समाधान निकालें, तो यह रिश्ता लंबे समय तक टिकने की संभावना बढ़ाता है. इसी तरह आपकी सफलता से खुश होना, आपके फैसलों का सम्मान करना और आपको बदलने की कोशिश न करना भी Green Flags में शामिल हैं.

1. बातचीत खुलकर और ईमानदारी से होती है.
2. भरोसा बिना किसी अनावश्यक शक के बना रहता है.
3. दोनों एक-दूसरे की निजी सीमाओं का सम्मान करते हैं.
4. गलतियों पर आरोप लगाने के बजाय समाधान तलाशते हैं.
5. भविष्य की योजनाओं में एक-दूसरे को शामिल करते हैं. सकती है।

‘विश्व आदिवासी दिवस’ विशेष



डॉ. संजय शुक्ला

हर साल 9 अगस्त को भारत सहित दुनिया भर में 'विश्व आदिवासी दिवस' पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष इस दिवस की थीम 'आदिवासी दाइयों का सम्मान, जीवन और कल्याण की रक्षा' रखा गया है। इसका उद्देश्य आदिवासी समुदाय में दाइयों द्वारा पीढ़ियों से सहेजे गए स्वास्थ्य ज्ञान और संस्कृति का सम्मान है। इस थीम का उद्देश्य मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में जनजातीय दाइयों के योगदान को रेखांकित करना है। बिलाशक आदिवासी

समुदाय में स्वास्थ्य को लेकर सदियों से परंपरागत ज्ञान रहा है बल्कि उन्हें वनौषधियों का सर्वोत्तम ज्ञान और अनुभव है। आज जरूरत भारत के इस जनजातीय ज्ञान परंपरा को संरक्षित और संवर्धित करने की है आखिरकार यह बौद्धिक संपदा से जुड़ा मसला है इतिहास पर गौर करें तो साल 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इस दिवस की शुरुआत की गई। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य जनजातीय समुदायों के अधिकारों, संस्कृति और भाषा को संरक्षित करते हुए उनका सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सशक्तिकरण करना है।

आधुनिक विकास की आंधी में जब आदिवासी संस्कृति, विरासत और परम्पराओं को तहस-नहस करने के लिए आमादा है तब इस दिवस की सार्थकता और उद्देश्य पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। गौरतलब है कि भारत जैसे चुनावी राजनीति वाले देश में 2011 के जनगणना के मुताबिक आदिवासियों की आबादी का 8.6 फीसदी है। यह विकास के विरोधी नहीं हैं बल्कि वे ऐसा क्रियान्वित करना है। दरअसल आदिवासी की विकास के विरोधी नहीं हैं बल्कि वे ऐसा विकास चाहते हैं जिसमें उनकी सदियों पुरानी साझा विरासत जल, जंगल, जमीन



ताकत रखती है। आदिवासियों की प्रथाओं और लोक संस्कृति, नृत्य , कला, परंपरा, भाषा, शिल्प कला , धार्मिक प्रथाएं और रीति-रिवाज सुरक्षित रहें। देश की आजादी के बाद सरकारों ने जनजातीय समुदायों के विकास, कल्याण और सशक्तिकरण के लिए दर्जनों योजनाएं लागू की है बावजूद यह समाज अभी भी विकास के कैनवास पर हाशिए पर है। दुर्गम इलाकों के आदिवासी अभी भी अशांति, गरीबी, अशिक्षा, कुपोषण, जबरिया भूमि अधिग्रहण, विस्थापन और

विरासत और विकास के दोराहे पर आदिवासी

मानवाधिकारों के उत्पीड़न से जूझ रहा है। अहम सवाल यह कि आखिरकार आजादी के आठ दशकों बाद भी देश का आदिवासी राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक शोषण का शिकार क्यों हो रहा है? सीधे तौर पर इसके लिए राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और भौगोलिक परिस्थितियां जिम्मेदार है। इसके अलावा स्वयं आदिवासी समुदाय में व्याप्त अशिक्षा, रूढ़िवादी परंपरा, अंधविश्वास जैसे कुव्यवस्था भी उनके पिछड़ेपन के लिए जवाबदेह है हालांकि अब परिस्थितियां कवरट बदलने लगी हैं और जनजातीय समुदाय अपने अधिकारों और विकास के प्रति जागरूक होने लगा है। शिक्षा को प्रसार के चलते आदिवासियों की नयी पीढ़ी जो सोशल मीडिया की ताकत से लबरेज है वह मुखर हो रहा है और सत्ता तथा व्यवस्था से सवाल करने लगा है। बहरहाल आदिवासी समुदाय अभी तक सियासी दलों के लिए महज एक 'वोटबैंक' था लेकिन अब इस समुदाय को सत्ता और संगठन का नेतृत्व भी सौंपा जा रहा है जो सुखद है। इसके बावजूद अभी भी जनजातीय विरासत और विकास से

जुड़े काफी सारे सवाल अनुत्तरित हैं। गौरतलब है कि आदिवासी समाज वास्तव में एक ऐसा समुदाय है जो आधुनिक विकास की तेज बयार के बावजूद आज भी जंगल, पुरातन सभ्यता, संस्कृति, रीति-रिवाज, लोककला, भाषा, धार्मिक परंपराओं से जुड़ा हुआ है। आदिवासी जिन जंगलों में निवास करते हैं वहाँ देश की 90 फीसदी खनिज संपदा, 71 फीसदी जंगल और 70 फीसदी जलस्रोत हैं देश के राजनेताओं, नौकरशाही, कॉर्पोरेट घरानों और बिचौलियों का नापाक गठजोड़ की कुदृष्टि इसी बेशकीमती विरासत पर है। आधुनिक विकास की सनक आदिवासियों को बेदखल कर जंगल को उजाड़ने और पहाड़ों को खोदने के लिए आमदा है। दरअसल जंगलों की आदिवासियों के सामाजिक व धार्मिक रीति- रिवाजों में महत्वपूर्ण भूमिका है ऐसे में आदिवासी प्रकृति के साथ हो रहे निर्ममता से उद्देष्टित हैं फलस्वरूप उनका सरकार व प्रशासन के साथ टकराव बढ़ रहा है।

आदिवासी समाज एक ओर जहां अपने प्रकृति, संस्कृति और परंपराओं को

बचाने के लिए जदोजहद कर रहा है वहीं इस समुदाय में हो रहा धर्मांतरण और मानव तस्करी 'ह्रूमन ट्रेफिकिंग' आधुनिक विकास की तेज बयार के लिए बड़ी चुनौती बन रही है। बिलाशक देश में धार्मिक स्वतंत्रता किसी भी नागरिक के लिए संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकार है परंतु प्रलोभन, गरीबी और अशिक्षा के चलते सुनियोजित धर्मांतरण को उचित नहीं ठहराया जा सकता है। हाल के दिनों में छत्तीसगढ़ के आदिवासी इलाकों में धर्मांतरण और धर्मांतरित मृतकों के अंतिम संस्कार को लेकर तनाव की खबरें लगातार आ रही है जिससे कानून और व्यवस्था की स्थितियां निर्मित हो रही है। अलाबता सरकार को अनैतिक ढंग से तस्करी के बढ़ते मामले चिंताजनक है। अलाबता सरकार को अनैतिक ढंग से धर्मांतरण और मानव तस्करी के खिलाफ सख्त कदम उठाने की जरूरत है। राजनीतिक दलों को भी इस समस्या के प्रति एकजुटता दिखानी होगी आखिरकार यह जनजातीय समुदाय के अस्तित्व और अस्मिता से जुड़ा मसला है।

अभिनेता महेश बाबू ने अभिनेत्री नम्रता शिरोडकर से वर्ष 2005 में शादी की थी। नम्रता से उनकी मुलाकात वर्ष 2000 में फिल्म 'वामसी' के सेट पर हुई थी। शादी के बाद नम्रता ने अभिनय की दुनिया को छोड़ दिया था। वे हैदराबाद में परिवार के साथ रहती हैं और महेश बाबू का काम संभालती हैं।

यूक्रेन संघर्ष के बीच न्यूजीलैंड ने रूस समर्थक 33 लोगों और कंपनियों पर लगाए प्रतिबंध

विश्व केसरी■
वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने शनिवार को यूक्रेन के साथ रूस के संघर्ष का समर्थन करने वालों के खिलाफ नए दौर के प्रतिबंधों की घोषणा की। विदेश मंत्री बिल्टन पीटर्स द्वारा बताया गए सैंक्शन पैकेज में 33 लोगों और कंपनियों को टारगेट किया गया था।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, न्यूजीलैंड ने मार्च 2022 में रूस पर प्रतिबंध लगाने वाला अधिनियम (रशिया सैंक्शन एक्ट) लागू किया था और तब से अब तक 36 राउंड के प्रतिबंध में 2,000 से ज्यादा लोगों, कंपनियों और जहाजों के खिलाफ कार्रवाई की है। एक अलग डेबलपमेंट में अमेरिकी सीनेट ने एक बड़ा रूस सैंक्शन बिल पास किया है जिसमें भारत का नाम नहीं है, लेकिन यह उसे और रूसी ऊर्जा के दूसरे बड़े खरीदारों को 100 फीसदी तक के टैरिफ के दायरे में ला सकता है। सीनेट से 86-11 वोट से पास हुआ लिंडसे ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड



ईरान एक्ट ऑफ 2026 अब हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स में जाएगा, जहां वरिष्ठ डेमोक्रेट्स ने इसके टैरिफ प्रोविजन पर ऐतराज जताया है।

इस कानून के तहत सरकार को व्यापारिक डेटा का इस्तेमाल करके देशों की

हाल के 12 महीने के समय के आधार पर होंगे और हर 180 दिन में उनकी समीक्षा की जाएगी। यह बिल रूसी अधिकारियों, अमीर लोगों, उनके परिवार के सदस्यों, बैंकों और फाइनेंशियल संस्थानों पर प्राइमरी और सेकेंडरी प्रतिबंध लगाएगा। यह यूक्रेन में मॉस्को की लड़ाई का समर्थन करने वाले विदेशी लोगों और तेल ट्रांसपोर्ट करने और प्रतिबंध से बचने के लिए इस्तेमाल होने वाले रूस के तथाकथित शैडो फ्लीट को भी टारगेट करता है।

इस कानून का नाम रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम के नाम पर रखा गया, जिन्होंने 11 जुलाई को अपनी अचानक मौत से पहले व्हाइट हाउस के साथ एक समझौते पर बातचीत की थी। उनकी मौत के बाद सीनेटरों ने इस कदम पर काम तेज कर दिया। यह 1996 का ईरान सैंक्शनस एक्ट भी 2031 तक बढ़ा देगा। यह कानून ईरान के ऊर्जा सेक्टर में निवेश करने वाली कंपनियों पांच बड़े देश शामिल हैं। ये फैसले सबसे

पहचान करनी होगी, न कि कानून में उनका नाम बताना होगा। इसमें रूसी क्रूड ऑयल के पांच सबसे बड़े इंपोर्टर, रूसी प्रकृतिक गैस के पांच सबसे बड़े इंपोर्टर और रूसी तेल प्रतिबंध से बचने में मदद करने वाले पांच बड़े देश शामिल हैं। ये फैसले सबसे

यमन ने यूएनएससी के बयान का किया स्वागत, कहा- ‘यही सही रास्ता’

विश्व केसरी■
सना। यमन के विदेश मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के उस बयान का स्वागत किया है, जिसमें सना और होदेइदाह हवाईअड्डों पर ईरानी विमानों की कथित अनधिकृत लैंडिंग को यमन की ‘संप्रभुता का उल्लंघन’ बताया है। सुरक्षा परिषद ने हूती विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब और वाणिज्यिक जहाजों पर किए गए हमलों की भी निंदा की है।

सरकारी समाचार एजेंसी सना के हवाले से जारी बयान में यमनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि सुरक्षा परिषद की ओर से यमन की संप्रभुता पर जोर दिया जाना सरकार के उस रुख को मजबूत करता है कि राज्य की संस्थाओं को बहाल करना और देश के सभी हिस्सों में उनका अधिकार स्थापित करना ही यमन में सुरक्षा और स्थिरता हासिल करने का ‘सही रास्ता’ है। मंत्रालय ने कहा कि हूती विद्रोहियों के लगातार हमले और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए



उनके खतरे को देखते हुए सुरक्षा परिषद के संबंधित प्रस्तावों को प्रभावी ढंग से लागू करना जरूरी है। यमनी विदेश मंत्रालय ने हूती विद्रोहियों तक हथियारों, सैन्य तकनीक और सैन्य विशेषज्ञता की आपूर्ति रोकने की जरूरत पर भी जोर दिया। बयान में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से यमन की सरकारी संस्थाओं को मजबूत करने और उनकी क्षमताओं को बढ़ाने की अपील की गई, ताकि वे देश की संप्रभुता की रक्षा करने के साथ-साथ उसके तटों, क्षेत्रीय जलक्षेत्र और अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों को सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें।

यमन में लंबे समय से जारी संघर्ष का असर सिर्फ देश की आंतरिक स्थिति तक सीमित नहीं है। लाल सागर और आसपास के समुद्री मार्गों में वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों ने क्षेत्रीय सुरक्षा के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार के लिए भी गंभीर चुनौती पैदा की है। गुरुवार को ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब और यमन में एक साथ बड़े हमले किए थे। पहला हमला यमन सरकार के मिल्िट्री ठिकानों पर किया गया था।

संक्षिप्त खबर

बांग्लादेश में डेंगू का प्रकोप बढ़ा: मरने वालों की संख्या 59 हुई, मामले 18,000 के करीब

विश्व केसरी■
ढाका। बांग्लादेश में डेंगू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अब तक 59 लोगों की मौत हो गई है जबकि इस साल अब तक 17,880 मामले सामने आए हैं। स्थानीय मीडिया ने स्वास्थ्य महानिदेशालय यानी डायरेक्टरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज (डीजीएचएस) के हवाले से इसकी जानकारी दी।

डीजीएचएस के अनुसार, ढाका डिवीजन इससे सबसे ज्यादा पीड़ित क्षेत्र है। कुल 6,871 दर्ज मामले रिपोर्ट हुए जिसमें से 4,404 मामले तो शहर के ही थे। 3,647 केस के साथ, बारिशाल डिवीजन दूसरे नंबर पर रहा, इसके बाद चर्गाव में 3,082 और खुलना में 2,272 केस दर्ज किए गए। ढाका डिवीजन में मृतकों की संख्या भी सबसे अधिक है। सूची में ये सबसे ऊपर है, कुल 26 में से 25 ढाका में हुई। बांग्लादेश के जाने-माने अखबार ‘द डेली स्टार’ की रिपोर्ट के मुताबिक, खुलना में 12 लोगों की मौत हुई, इसके बाद चर्गाव और मैमनसिंह में क्रमशः सात और छह लोगों ने बीमारी से जान गंवाई। डेंगू, मच्छर से होने वाली वायरल बीमारी है, जो बांग्लादेश में एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या का रूप लेती जा रही है। यह मुख्य रूप से एडीज एजिटी मच्छर के काटने से फैलने वाली बीमारी है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ बांग्लादेश में जूलांजी डिपार्टमेंट (प्राणीशास्त्र विभाग) में एसोसिएट प्रोफेसर, जोएम सैदुर रहमान ने कहा कि नवीनतम आंकड़े ढाका के उच्च जनसंख्या घनत्व, लगातार एडीज मच्छर प्रजनन और अपर्याप्त वेक्टर नियंत्रण उपायों के संयोजन को दर्शाते हैं।



सख्त पाबंदियां लगा बलूचिस्तान को पाकिस्तान 11 अगस्त का जश्न मनाने से रोक नहीं सकता : बलूच कार्यकर्ता

विश्व केसरी■
क्वेटा। बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने पाकिस्तानी मिलिट्री पर आरोप लगाया कि वह 11 अगस्त को होने वाले बलूचिस्तान स्वतंत्रता दिवस समारोह में रुकावट डालने की हर मुमकिन कोशिश कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बलूच पक्के इरादे वाले लोग हैं और वो पाकिस्तानी प्रशासन के दबाव में झुकने या पूरे प्रांत में लगाई गई धारा 144 की पाबंदियों को मानने से इनकार करते हैं।

बलूचिस्तान सालाना परंपरा को जारी रखते हुए 11 अगस्त को 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाने वाला है। ये बलूच मानवाधिकार समूह द्वारा इस इलाके पर पाकिस्तान के ‘अवैध कब्जे’ के खिलाफ है। 1947 में कलाल रियासत ने ब्रिटिश ईंडिया के बंटवारे के बाद कुछ समय के लिए बलूचिस्तान को आजाद मुल्क घोषित किया था। उसी ऐतिहासिक दिवस को याद करते हुए बलूच अपने स्वतंत्रता दिवस के तौर पर मनाते हैं। 1948 में पाकिस्तान ने जबरन इस इलाके पर कब्जा कर लिया और बलूच नेमनरिस्टर इसका लगातार विरोध करता आया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मीर ने आरोप लगाया कि ‘कब्जा करने वाली’ पाकिस्तानी सेना ने बलूचिस्तान में बड़े पैमाने पर पाबंदियां लगाई हैं, जिसमें 7 अगस्त से 30 अगस्त तक इंटरनेट शटडाउन भी शामिल है ताकि राष्ट्रीय जश्न में बाधा डाली जा सके। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि बलूचों के पक्के इरादे के आगे पाकिस्तानी सेना की मौजूदगी कोई मायने नहीं रखती।



भारत और साइप्रस के बीच माइग्रेशन एग्रीमेंट पर चर्चा, दोनों देशों के बीच सुरक्षित आवाजाही पर जोर

विश्व केसरी■
निकोसिया। भारत के साइप्रस में उच्चायुक्त मनीष ने शुक्रवार को साइप्रस के माइग्रेशन और इंटरनेशनल प्रोटेक्शन के डिप्टी मिनिस्टर निकोलस ए. आयोनाइड्स से मुलाकात की और इंडिया-साइप्रस माइग्रेशन और मोबिलिटी एग्रीमेंट को अंतिम रूप देने की दिशा में हो रही प्रगति पर चर्चा की।



साइप्रस में भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया पर लेटेफॉर्म और ‘एक्स’ पर लिखा, ‘उच्चायुक्त मनीष ने प्रवासन और अंतरराष्ट्रीय के संरक्षण उप मंत्रालय के उप मंत्री निकोलस ए. आयोनाइड्स और स्थायी सचिव चारालाम्बोस रूसोस से मुलाकात की। उच्चायुक्त ने

साइप्रस की अर्थव्यवस्था और समाज में भारतीय पेशेवरों और कामगारों के महत्वपूर्ण योगदान का जिक्र किया। उन्होंने भारतीयों के कल्याण, उनके साथ निष्पक्ष व्यवहार और उनकी भलाई के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कुछ भारतीय कर्मचारियों से जुड़ी

समस्याओं को भी उठाया और भारत-साइप्रस के बीच सुरक्षित, कानूनी और कौशल आधारित आवाजाही को मजबूत बनाने के चर्चा की। दोनों पक्षों ने इस समझौते को तय समय सीमा के भीतर अंतिम रूप देने के लिए तेजी से आगे बढ़ने पर बात की।

प्रवासी संघर्ष के बीच स्पेन ने इटली से आने वाले लोगों पर अस्थायी बॉर्डर चेकिंग लागू करने का किया ऐलान

विश्व केसरी■
मैड्रिड। स्पेन ने घोषणा की है कि वह इटली से आने वाले यात्रियों के लिए आंतरिक सीमा जांच को अस्थायी रूप से फिर से लागू करेगा। इससे पहले इटली ने स्पेन से आने वाले यात्रियों पर सीमा नियंत्रण हटाने से इनकार कर दिया। इटली ने हालात को देखते हुए कम से कम 15 अगस्त तक अपने फैसले को ना बदलने का ऐलान किया।

यह विवाद स्पेन के उत्तरी अफ्रीकी एन्क्लेव सेउता में हाल ही में हुई प्रवासी संकट के बीच सामने आया है। स्पेन सरकार द्वारा शुक्रवार को जारी एक बयान के अनुसार, बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर यह अस्थायी जांच शनिवार से शुरू होगी और 7 सितंबर तक लागू रहेगी, जब तक कि स्थिति में कोई बदलाव न हो। इन उपायों में पहचान पत्र और दस्तावेजों की रैंडम जांच शामिल होगी। स्पेन सरकार ने कहा कि इटली ने 1 अगस्त को बिना किसी पूर्व सूचना के स्पेन से आने वाले यात्रियों पर एकतरफा तौर पर सीमा जांच फिर से शुरू कर दी थी। सरकार ने इन उपायों को अनुचित, भेदभावपूर्ण और



यूरोपीय संघ (ईयू) के हितों के खिलाफ बताया। स्पेन ने इटली से इन उपायों को तुरंत वापस लेने को कहा है।

वहीं, शुक्रवार को इटली की सरकार ने कहा कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमा प्रबंधन की चिंताओं का हवाला देते हुए, कम से कम 15 अगस्त तक स्पेन से आने वाले तीसरे देश के नागरिकों पर अस्थायी चेकिंग जारी रखेगी। रोम ने कहा कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमा प्रबंधन से जुड़े मामलों पर अल्टीमेटम या बाहरी दबाव स्वीकार नहीं करता है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस बात पर

भी जोर दिया गया कि ये नियंत्रण हवाई या समुद्री रास्ते से यात्रा करने वाले स्पैनिश या दूसरे ईयू नागरिकों पर लागू नहीं होते हैं। साथ ही, इटली के बॉर्डर अधिकारी सही तरीके से सीमा पार यात्रा में रुकावट को कम से कम करने की कोशिश करेंगे।

इटली के प्रधानमंत्री जोर्जिया मेलोनी ने 31 जुलाई को सेउता में प्रवासियों के बड़े पैमाने पर आने के बाद सीमा नियंत्रण उपायों की घोषणा की। जुलाई के आखिर में लगभग 80,000 लोग स्पैनिश इलाके में आए, जिनमें से लगभग 75,000 बाद में अपनी मर्जी से वापस लौट गए।

ऑस्ट्रेलिया: एच5एन1 बर्ड फ्लू के मामले बढ़े, संक्रमित पक्षियों की संख्या पहुंची 200 पार

विश्व केसरी■
सिडनी। ऑस्ट्रेलिया में एच5एन1 बर्ड फ्लू के मामले दिन पर दिन बढ़ते जा रहे हैं। तादाद 200 पार पहुंच चुकी है। इस बीच दक्षिण-पूर्वी राज्य विक्टोरिया ने इस जानलेवा स्ट्रेन को पोल्ट्री में फैलने से रोकने के लिए नए एहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिए हैं।

फेडरल डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर, फिशरीज एंड फरिस्ट्री (डीएफएफ) ने एक अपडेट में कहा कि शनिवार तक ऑस्ट्रेलिया में एच5एन1 स्ट्रेन के 203 कन्फर्म या पॉजिटिव मामले सामने आए थे। इसके साथ ही अगस्त में अब तक एच5एन1 बर्डफ्लू 290 फीसदी बढ़ गया है, जबकि जुलाई के आखिर में यह तादाद 52 थी। शनिवार को साउथ ऑस्ट्रेलिया (एसए) में पाए गए 147 में से 28 पक्षियों में संक्रमण की पुष्टि की गई। डीएफएफ ने कहा कि एसए में



सभी 28 नए मामले जंगली समुद्री पक्षियों के थे।

विक्टोरिया संक्रमित पक्षियों की तादाद के मामले में दूसरे नंबर पर रहा। यहां किसी ऑस्ट्रेलियाई जीवों को शुरू में 14 दिनों के लिए घर के अंदर रखना होगा। विक्टोरिया की कृषि मंत्री माइकेला सेटल ने कहा कि सरकार को हड़ैत थी। राज्य के पश्चिम में एसए बॉर्डर के पास ये मिले थे। विक्टोरियन सरकार ने शुक्रवार को

एक निर्देश जारी किया। जिसके मुताबिक मेलबर्न समेत राज्य के दक्षिणी तटीय इलाके पर स्थित पोल्ट्री फॉर्म जिनके पास कम से कम 50 पक्षियों का झुंड है, उन्हें इन जीवों को शुरू में 14 दिनों के लिए घर के अंदर रखना होगा। विक्टोरिया की कृषि मंत्री माइकेला सेटल ने कहा कि सरकार को हड़ैत थी। राज्य के पश्चिम में एसए बॉर्डर के पास ये मिले थे। विक्टोरियन सरकार ने शुक्रवार को

होर्मुज स्ट्रेट के पास मर्चेंट जहाज पर हमला, इंजन रूम में आग लगने के बाद क्रू ने मांगी मदद

विश्व केसरी■
लंदन। होर्मुज स्ट्रेट के पूर्वी एंटेस के पास एक मर्चेंट जहाज में हमले के बाद उसमें आग लग गई। लंदन टाइम के अनुसार, शुक्रवार शाम को शिप-टू-शिप रेडियो कम्युनिकेशन ने यह जानकारी दी। यह रिकॉर्डिंग जो खास तौर पर न्यूज एजेंसी सिन्हुआ को एक नाविक से मिली थी, एक ओपन मैरीटाइम रेडियो चैनल पर भेजी गई; उसमें क्रू मेंबर आग से जूझते हुए और मदद मांगते हुए दिखे।

कम्युनिकेशन के मुताबिक, जहाज ओमानी तट के पास था जब उस पर हमला हुआ, जिससे इंजन रूम में आग लग गई। चालक दल ने जहाज की कार्बन डाइऑक्साइड अग्निशमन प्रणाली सक्रिय कर दी और बैलास्ट ऑपरेशन के जरिए आग पर काबू पाने की कोशिश की। रिकॉर्डिंग में बताया गया कि जहाज की हाइड्रोलिक प्रणाली के फेल होने से आग बुझाने के प्रयास और जटिल



हो गए। संचार के एक अन्य हिस्से में आसपास के कई जहाजों ने कहा कि वे सहायता देने के लिए घटनास्थल की ओर बढ़ रहे हैं। हाल के दिनों में होर्मुज स्ट्रेट के आसपास के पानी में जहाजों पर कई हमले हुए हैं, जिनमें से ज्यादातर घटनाएं स्ट्रेट के ओमानी साइड के पास शिपिंग रूट पर हुईं। इससे पहले जुलाई की शुरुआत में ओमान के तट के पास होर्मुज स्ट्रेट में एक कमर्शियल जहाज में आग लग गई थी। अमेरिका-ईरान के बढ़ते तनाव की वजह से इस अहम जलमार्ग से शिपिंग में रुकावट आ रही थी। ऐसे में ब्रिटिश समुद्री अधिकारियों ने चेतावनी दी थी।

यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने कहा कि उन्हें ओमान के कुमजार से लगभग 8 नॉटिकल मील उत्तर-पश्चिम में एक घटना की रिपोर्ट मिली है। मिलिट्री अधिकारियों ने यूकेएमटीओ को गार्ड थी, हालांकि आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है।

अमेरिका के यूटा में जंगल की आग बुझाते समय हेलीकॉप्टर हुआ क्रैश, दो लोग लापता

विश्व केसरी■
लॉस एंजिल्स। अमेरिका के यूटा राज्य में लगी जंगल की भीषण आग को बुझाने के दौरान शुक्रवार (स्थानीय समय) को एक फायरफाइटिंग हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, दो लोगों को ले जा रहा एक सिकोरस्की एस-64 हेलीकॉप्टर, स्थानीय समय के हिसाब से सुबह करीब 10 बजे यूटा के रिचफील्ड के पास क्रैश हो गया।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, फायर अधिकारियों ने कहा कि हेलीकॉप्टर वाइडमाउथ 2 में लगी आग के पास क्रैश हुआ। यह अभी यूटा के 2026 की दूसरी सबसे बड़ी जंगल की आग है। अधिकारियों के मुताबिक, इमरजेंसी



कर्मचारियों को मौके पर भेजा गया है। हेलीकॉप्टर में सवार दो लोगों की हालत के बारे में तुरंत जानकारी नहीं मिल पाई। फिशलेक नेशनल फीरेस्ट में यूएस फीरेस्ट इस घटना पर कार्रवाई करना है। स्थानीय

सर्विस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि इमरजेंसी कर्मचारी मौके पर हैं। इसमें कहा गया, ‘हमारी सबसे पहली प्राथमिकता फिशलेक नेशनल फीरेस्ट में यूएस फीरेस्ट इस घटना पर कार्रवाई करना है। स्थानीय

राज्य और फेडरल अधिकारी कार्रवाई में मदद कर रहे हैं। जानकारी मिलते ही डिटेल् जारी कर दी जाएगी। कृपया सब रखें क्योंकि इस घटना पर कार्रवाई जारी है और सुरक्षा उपायों को सबसे पहले प्राथमिकता दी जा रही है।’

राज्य की इंटर-एजेंसी पब्लिक इन्फॉर्मेशन एजेंसी ‘यूटा फायर इंपो’ के अनुसार 27 जुलाई को बिजली गिरने से लगी जंगल की आग ने अब तक 1,05,000 एकड़ यानी करीब 425 वर्ग किमी क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया है। आग पर अब तक 19 फीसदी काबू पाया जा सका है। 600 से ज्यादा दमकल कर्मचारी आग बुझाने में लगे हैं। लकड़ी, झाड़ियों और घास के जलने से बढ़ती आग के कारण कम से कम छह इमारतें तबाह हो गई हैं।

2023 में पारित महिला आरक्षण कानून को बिना किसी शर्त के लागू करें : राहुल गांधी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। महिला आरक्षण को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बीच 'एक्स' पर बहस देखने को मिली। राहुल गांधी ने सरकार से 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून को तुरंत बिना किसी शर्त के लागू करने की मांग की।

यह विवाद राहुल गांधी के महिलाओं पर दिए बयान के बाद शुरू हुआ। राहुल गांधी ने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसके बाद शनिवार को किरेन रिजिजू ने उनके वीडियो को रिपोस्ट करते हुए कहा कि यह कांग्रेस के नजरिए में सकारात्मक बदलाव का संकेत है। यह कांग्रेस पार्टी का सकारात्मक संदेश लगता



है। राहुल गांधी के दिल में महिलाओं को लेकर बदलाव दिख रहा है। अब मुझे उम्मीद है कि कांग्रेस महिला आरक्षण विधेयक का बिना शर्त समर्थन करेगी।

रिजिजू के पोस्ट पर राहुल गांधी ने तुरंत जवाब दिया। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट कर लिखा, 'किरेन रिजिजू, संसदीय कार्य मंत्री होने के नाते आपसे बेहतर यह कौन जानता होगा। महिला आरक्षण विधेयक 2023 में ही सर्वसम्मति से पारित हो चुका है, कांग्रेस के पूर्ण समर्थन के साथ।' राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा, 'सवाल यह है कि तीन साल बाद भी वह लागू क्यों नहीं हुआ और अब आप उसे परिसीमन से बेवजह क्यों

लिए कोई भी देश तब तक सफल नहीं हो सकता जब तक वहां की महिलाएं खुद को व्यक्ति न कर सकें।' उन्होंने कहा था कि महिलाओं की आवाज दबने से देश की तरक्की पर असर पड़ता है। मेरी राजनीति का एक बड़ा हिस्सा यही है कि लोग समझें कि महिलाओं की अभिव्यक्ति के बिना हमारा देश अधूरा और पिछड़ा है। राहुल गांधी ने कहा था कि महिला सशक्तीकरण सिर्फ बिजनेस या राजनीति तक सीमित नहीं होना चाहिए। यह सिर्फ इस बारे में नहीं है कि महिलाएं बिजनेस या राजनीति में अच्छा करें, बल्कि यह भी है कि वे अपने घरों में, परिवार में और सार्वजनिक जगहों पर खुलकर

बोल सकें और सड़कों पर आराम से चल सकें। उन्होंने कहा था, 'महिलाओं को यह आजादी होनी चाहिए कि वे दूसरों से अलग राय रख सकें, अपने माता-पिता, पति, भाई-बहन से सवाल कर सकें। भारत को सच में विकसित होना है तो पितृसत्ता और पुरुषों के कड़े नियंत्रण से महिलाओं को थोड़ी आजादी मिलनी ही चाहिए।' महिला आरक्षण विधेयक, जिसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम भी कहा जाता है, 2023 में संसद से पारित हुआ था। इसके तहत लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित हैं। कांग्रेस का कहना है कि कानून बनने के बावजूद इसे लागू नहीं किया गया है।

बेंगलुरु पुलिस ने शहर में अवैध प्रवासियों का पता लगाने के लिए 'ऑपरेशन मुक्ता' शुरू किया

विश्व केसरी■

बेंगलुरु। बेंगलुरु पुलिस ने शनिवार को 'ऑपरेशन मुक्ता' नाम से एक विशेष अभियान शुरू किया है। इसका मकसद शहर के अलग-अलग हिस्सों में कथित तौर पर रह रहे अवैध प्रवासियों की पहचान करना और उनका पता लगाना है। इसके तहत कई इलाकों में छापेमारी और वेरिफिकेशन का काम किया जा रहा है। इस अभियान के तहत, पुलिस टीमों ने व्हाइटफील्ड, कडुगोडी, महादेवपुरा और अन्य इलाकों में तलाशी ली और दस्तावेजों की जांच की। ये तीनों इलाके बेंगलुरु के प्रमुख टेक्नोलॉजिकल कॉरिडोर के हिस्सा हैं और यहां कई संधिगत मल्टीनेशनल आईटी और बायोटेक्नोलॉजिकल कंपनियां मौजूद हैं। व्हाइटफील्ड डिवीजन के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (डीसीपी) सिदुल्ला अदावत ने बताया कि बेंगलुरु पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर पूरे शहर में यह स्पेशल ड्राइव



शुरू की गई थी। उन्होंने कहा, 'बेंगलुरु के पुलिस कमिश्नर के आदेशों के अनुसार, व्हाइटफील्ड डीसीपी डिवीजन समेत पूरे शहर में एक स्पेशल ड्राइव चलाई जा रही है। इस अभियान में 500 से ज्यादा पुलिसकर्मी और अधिकारी शामिल हैं। यह अभियान जारी रहेगा।' डीसीपी के अनुसार, पुलिस टीमों ने कई संधिगत अवैध प्रवासियों का पता लगा लिया है और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद कुछ लोगों को उनके संबंधित देशों में वापस भेज दिया गया है। अदावत ने कहा, 'व्हाइटफील्ड डिवीजन में अलग-अलग पुलिस थानों के अधिकार क्षेत्र में आने वाली 30 से ज्यादा जगहों पर जांच की जा रही है। अगर कोई संधिगत व्यक्ति मिलता है, तो हम उसके दस्तावेजों की जांच करेंगे। अगर हमें किसी दूसरे देश का पहचान पत्र या कोई ऐसा सुराग मिलता है, जिससे पता चले कि वे बिना इजाजत के यहां रह रहे विदेशी नागरिक हैं, तो मामले की जानकारी 'फ़रिनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस' (एफआरआरओ) को दी जाएगी।' उन्होंने कहा कि सक्षम अधिकारियों से देश से निकालने के आदेश मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी और अवैध प्रवासियों को उनके संबंधित देशों में वापस भेज दिया जाएगा।

संक्षिप्त खबर

चीनी मांझे की खरीद ब्रिकी में सलिलत पाए जाने पर आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत में चीनी मांझों की खरीद-बिक्री प्रतिबंधित है। इसके बावजूद दिल्ली के सोलमपुर इलाके में उस आरोपियों को ना महज गिरफ्तार किया, बल्कि उसके पास 30 प्रतिबंधित चीनी मांझे की रील भी बरामद की। पुलिस उसे गिरफ्तार करके अब उससे पूछताछ करने की प्रक्रिया में जुटी हुई है, ताकि इस पूरे मामले के बारे में अधिक से अधिक जानकारी जुटाई जा सके। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, चीनी मांझे की खरीद ब्रिकी प्रतिबंधित है, जिसे देखते हुए पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223(ए) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। हालांकि, आरोपी के खिलाफ किसी भी प्रकार का आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। लेकिन, पुलिस विभिन्न पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

बटाला ग्रेनेड हमले में शामिल तीसरा आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■

चंडीगढ़। बटाला ग्रेनेड मामले में पंजाब पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। जालंधर की काउंटर इंटेलिजेंस और बटाला पुलिस ने मिलकर चलाए गए एक ऑपरेशन में हमले में शामिल तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। डीजीपी गौरव यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर यह जानकारी दी। डीजीपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई समर्थित एक टेरर मांड्यूल का सदस्य है, जिसे पुर्तगाल में बैठे ब्रीकेआई का मास्टरमाइंड चला रहा था। शुरुआती जांच से पता चला है कि आरोपी, मांड्यूल के दूसरे सदस्यों के साथ मिलकर पुर्तगाल में बैठे अपने हैंडलर के कहने पर 1 अगस्त को बटाला के अर्बन एस्टेट पुलिस पोस्ट पर हुए हमले में शामिल था। घटना के बाद आरोपी छिप गया था और पूरे पंजाब में पुलिस ठिकानों पर ऐसे ही और हमले करने की योजना बना रहा था। डीजीपी ने पोस्ट के माध्यम से बताया कि पूरे टेरर नेटवर्क का पता लगाने, विदेशी हैंडलर और स्थानीय सपोर्ट नेटवर्क की पहचान करने और साजिश से जुड़े सभी कनेक्शनों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। पंजाब पुलिस पूरे राज्य में टेरर नेटवर्क को खत्म करने, संगठित अपराध को रोकने और शांति, सुरक्षा व जन-सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। 4 अगस्त को भी पंजाब पुलिस की ओर से आईएसआई-समर्थित दो आतंकी मांड्यूल का भंडाफोड़ किया गया था, जिसमें नौ को गिरफ्तार किया गया था। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया था कि अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने आईएसआई समर्थित सीमापार के दो आतंकी मांड्यूल का भंडाफोड़ किया है।

खराब मौसम की चेतावनी के कारण अमरनाथ यात्रा स्थगित कर दी गई

विश्व केसरी■

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के जम्मू डिवीजन में खराब मौसम और मौसम विभाग की भारी बारिश की चेतावनी को देखते हुए अधिकारियों ने शनिवार को अमरनाथ यात्रा रोकने का फैसला किया। किसी भी यात्री को यहां से घाटी की ओर जाने की इजाजत नहीं दी गई। शुक्रवार तक 4.75 लाख से ज्यादा यात्रियों ने पवित्र गुफा मंदिर में दर्शन कर लिए हैं, इसलिए अब जम्मू पहुंचने वाले यात्रियों की संख्या भी कम हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि आज जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से यात्रियों के किसी नए जत्थे को घाटी की ओर जाने की इजाजत नहीं दी गई।

अधिकारियों ने कहा कि मौसम के हिसाब से हालात का जायजा लिया जाएगा और इस दौरान जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जाएगी, क्योंकि तीर्थयात्री यात्रा के बेस कैंप तक पहुंचने के लिए इसी सड़क का इस्तेमाल करते हैं। यह यात्रा 3 जुलाई को



हुई थी और यह 57 दिनों के बाद 28 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा और रक्षाबंधन के त्योहारों के साथ संपन्न होगी। फिलहाल दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पल्लगाम) बेस कैंप रूट से यात्रा करने की इजाजत किसी भी यात्री को नहीं है, क्योंकि वहां ट्रैक की मरम्मत का काम चल रहा है। यात्री उतर कश्मीर के गांदरबल कैंप तक पहुंचने के लिए इसी सड़क का इस्तेमाल करते हैं। यह यात्रा 3 जुलाई को

इससे पहले, अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाने के सात साल बाद सुरक्षा कारणों से एक दिन के लिए रोक दी गई अमरनाथ यात्रा गुरुवार को फिर से शुरू हुई थी। 1,801 तीर्थयात्रियों का एक नया समूह (जिसे अधिकारियों ने 28वां जत्था बताया) कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह 2.45 बजे जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से कश्मीर में बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ।

अखिलेश यादव का तंज, बोले- बेसुध को सब माफ, जनता इन्हें क्षमा करने के मूड में नहीं

विश्व केसरी■

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर बिना नाम लिए निशाना साधा है। लखनऊ अग्निकांड में अपना बच्चा खोने वाली एक मां से कथित दुर्व्यवहार और अप्रद भाषा के इस्तेमाल का जिक्र करते हुए अखिलेश ने कहा, 'ऐसे लोगों से सत्य भाषा और अच्छे व्यवहार की उम्मीद करना ही बेकार है।' अखिलेश ने कहा कि जनता ऐसे लोगों को माफ करने के मूड में नहीं है और अंत में लिखा, 'अलविदा।' अखिलेश यादव ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'बेसुध को सब माफ!' उन्होंने लिखा, 'जो लखनऊ अग्निकांड में उस एक दुखी मां के साथ, जिसने अपना बच्चा खोया हो, कैमरे के सामने सरेआम बदजुबानी और दुर्व्यवहार कर सकते हैं, ऐसे लोगों से सद्-वचन एवं सद्-व्यवहार की अपेक्षा ही निरर्थक है।' सपा प्रमुख ने आगे कहा, 'व्यक्ति को स्वयं का नहीं तो उन पदों का सम्मान करना



चाहिए जिस पर वह बैठे हैं या फिर शीश्र ही वापस जाकर जिस पद पर उन्हें बैटना है। उन्होंने कहा, 'वाणी में सरस्वती मां का वास होता है, ये न परलोक की मां का सम्मान करना जानते हैं, न इहलोक की मां का। इनके तो दोनों लोक बिगड़ गए।' अखिलेश यादव ने लिखा, 'हमने इन्हें मन से माफ किया क्योंकि वो किसी और के असर में हैं। जाते हुए लोगों से क्या तो शिकवा, क्या शिकायत।' उन्होंने अपने पोस्ट के अंत में कहा, 'जनता इन्हें माफ करने के मूड में नहीं है।

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बदल रही है अंग्रेजों के समय की न्याय व्यवस्था : मोहन यादव

विश्व केसरी■

इंदौर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंग्रेजों के शासनकाल के समय की न्याय व्यवस्था में बदलाव लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां न्यायालय को न्याय का मंदिर कहा जाता है। इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में 'न्याय तक पहुंच बढ़ाने' पर आयोजित वेस्ट जोन क्षेत्रीय कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि छोटे-छोटे मामलों में मध्यस्थता के माध्यम से निपटान केस पेंडेंसी को कम किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंग्रेजों के समय की न्याय व्यवस्था को बदला जा रहा है। मुख्यमंत्री यादव ने भारतीय न्याय परंपरा का जिक्र करते हुए कहा कि हमारी परंपरा पंच परमेश्वर की संवाद की न्याय परंपरा रही है। हमारे संविधान में हजारों वर्ष की भारतीय न्याय परंपरा रही है, इसलिए औपनिवेशिक दौर के कानूनों के स्थान पर नए कानून लागू किए गए हैं। इसी कड़ी में

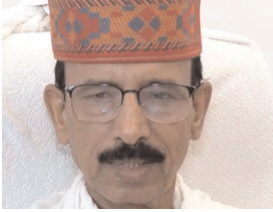


आधुनिक तकनीक के आधार पर न्याय प्रणाली में भी व्यापक बदलाव हुए हैं। ई-फाइलिंग, डिजिटल रिकॉर्ड, वन डेटा-वन केस, वर्चुअल सुनवाई और आधुनिक न्याय प्रबंधन जैसी प्रणालियों के माध्यम से न्याय व्यवस्था का कायाकल्प किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सदियों पुराने औपनिवेशिक दौर के कानूनों के स्थान पर नए कानून लागू किए गए हैं। इसी कड़ी में

जो सरकार संवाद नहीं करती, वह समस्याओं का समाधान नहीं खोज सकती : रमाशंकर राजभर

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के सांसद रमाशंकर राजभर ने इलाहाबाद में राहुल गांधी के छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम को लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि जनता से जुड़ने के लिए नेताओं को लोगों के बीच जाना पड़ता है। सपा सांसद रमाशंकर राजभर ने समाचार एजेंसी आईएनएस से बात करते हुए कहा, 'इलाहाबाद में छात्रों से बातचीत के लिए राहुल गांधी के कार्यक्रम को पहले अनुमति दी गई, जिसे बाद में रद्द कर दिया गया और फिर दोबारा उन्होंने अनुमति मिली। अब छात्रों के साथ हो रही बातचीत की चर्चा हर जगह



है और इसके सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।' रमाशंकर राजभर ने कहा कि लोकतंत्र में बातचीत बेहद जरूरी है। जो सरकार पीड़ितों या समस्याओं से जुड़ा रहे लोगों से संवाद नहीं करती, वह समस्याओं का समाधान नहीं खोज सकती। उन्होंने राहुल गांधी की छात्रों के बीच जाकर बातचीत करने की पहल को सराहनीय बताया।

झारखंड में छात्रों के विरोध प्रदर्शन को लेकर पूछे गए सवाल पर सपा सांसद ने कहा कि दिल्ली में हुआ आंदोलन वास्तव में छात्रों का आंदोलन था और उसका नेतृत्व भी छात्रों ने किया था। उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री का उल्लेख करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने कई बार छात्रों से बातचीत की है और छात्रों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई नहीं की। राजभर ने कहा कि मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह तक कहा है कि जांच की आंच आर उनके अपने घर तक पहुंचे, तब भी किसी तरह की हिचक नहीं होनी चाहिए। उनके मुताबिक, जननेता का रवैया ऐसा ही होना चाहिए।

लगातार बारिश के चलते केरल के सात जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी

विश्व केसरी■

तिरुवनंतपुरम। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राज्य के उत्तरी और मध्य क्षेत्रों में तीव्र वर्षा के एक और दौर की चेतावनी जारी करने के बाद शनिवार को केरल में हाई अलर्ट जारी रहा, जिसके तहत सात जिलों को ऑरेंज अलर्ट के अंतर्गत रखा गया है। पथानामथिट्टा, अलापुझा, कोट्टायम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है। बाकी जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले घंटों में मौसम अस्थिर रह सकता है, जिससे संवेदनशील क्षेत्रों में जलभराव, अचानक बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है।



एहतियात के तौर पर, अधिकारियों ने कई प्रभावित जिलों में शिक्षण संस्थानों में छुट्टी घोषित कर दी है, जिनमें आंगनवाड़ी से लेकर व्यावसायिक कॉलेज तक शामिल हैं। हालांकि, कोझिकोड में व्यावसायिक कॉलेजों को इस बंदी आदेश से छूट दी गई है। पहले से निर्धारित सार्वजनिक और

विश्वविद्यालय परीक्षाएं योजना के अनुसार ही आयोजित की जाएंगी। अधिकारियों ने तटीय इलाकों में भी प्रतिबंधों को कड़ा कर दिया है, तेज हवाओं और खराब मौसम की संभावना के मद्देनजर मछुआरों को समुद्र जाने से रोक दिया गया है। केरल टट के किनारे 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से

हवाएं चलने की संभावना है, जो कभी-कभी 60 किमी प्रति घंटे तक भी पहुंच सकती हैं। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने लोगों से गैर-जरूरी यात्रा से बचने का आग्रह किया है। भूस्खलन और बाढ़ संभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सलाह दी गई है कि यदि आवश्यक हो तो सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें। नदियों और नालों में जलस्तर बढ़ने की संभावना को देखते हुए लोगों को जल निकासी के पास जाने, नदियों में प्रवेश करने या झरनों और अन्य संवेदनशील पर्यटन स्थलों पर जाने से बचने की चेतावनी दी गई है। सुरक्षा उपायों के तहत नदियों के किनारे मछली पकड़ने और सेल्फी लेने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। तालुक स्तर पर नियंत्रण कक्ष सक्रिय कर दिए गए हैं, जबकि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और अग्निशमन एवं बचाव दल को उन क्षेत्रों में तैयार रखा गया है जहां भारी बारिश होने की संभावना है।

भारत का मेडिकल डिवाइस सेक्टर 2047 तक 250 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान: रिपोर्ट



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली । भारत का मेडिकल डिवाइस उद्योग आने वाले वर्षों में तेजी से विस्तार करते हुए वर्ष 2047 तक 250 अरब डॉलर के बाजार तक पहुंच सकता है। यह बात शुक्रवार को फिक्की-डीयूए कंसल्टिंग द्वारा ‘भारतीय हेल्थकेयर में मेडिकल इक्विपमेंट की सर्विस और मेंटेनेंस – सुरक्षित, भरोसेमंद और टिकाऊ मेडिकल डिवाइस मेंटेनेंस

इकोसिस्टम की ओर’ विषय पर जारी रिपोर्ट में कही गई है। शुक्रवार को फिक्की (एफआईसीसीआई) के साथ मिलकर डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्यूटिकल्स द्वारा आयोजित ‘इंडिया मेडिकल डिवाइस 2026’ के 9वें एडिशन के उद्घाटन सत्र में जारी व्हाइट पेपर में कहा गया है कि वर्तमान में लगभग 14 अरब डॉलर के मूल्य वाला भारत का

मेडिकल डिवाइस उद्योग इस दशक के अंत तक 30-50 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है और वर्ष 2047 तक इसका आकार बढ़कर 250 अरब डॉलर होने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती आवश्यकता, अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीकों को तेजी से अपनाना जाना, स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने वाली सरकारी नीतियां तथा भारत को वैश्विक

मेडटेक हब बनाने की महत्वाकांक्षा इस क्षेत्र की तेज वृद्धि के प्रमुख कारण होंगे। रिपोर्ट के अनुसार, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना और मेडिकल डिवाइस उद्योग सुदृढ़ीकरण योजना जैसी सरकारी पहलों से घरेलू विनिर्माण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इन योजनाओं ने भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को भी मजबूत किया है।

रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि मेडिकल डिवाइस उद्योग की दीर्घकालिक सफलता केवल उपकरणों के निर्माण पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि इसके लिए चिकित्सा उपकरणों की सर्विसिंग, रखरखाव, अंशांकन (कैलिब्रेशन) और पूरे जीवनचक्र के प्रबंधन के लिए विश्वस्तरीय व्यवस्था विकसित करना भी उतना ही आवश्यक होगा।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं में चिकित्सा उपकरण समय पर रोग की पहचान, आपातकालीन उपचार, शल्य चिकित्सा और उन्नत चिकित्सा सेवाओं की रीढ़ बन चुके हैं। इसलिए इन उपकरणों का वास्तविक महत्व उनकी खरीद तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके पूरे उपयोगकाल के दौरान विश्वसनीय रखरखाव सुनिश्चित करना भी बेहद महत्वपूर्ण है।

इसमें कहा गया है कि चिकित्सा उपकरणों का नियमित और वैज्ञानिक रखरखाव मरीजों की सुरक्षा बढ़ाता है, उपचार की गुणवत्ता में सुधार करता है, उपकरणों के खराब रहने की अवधि को कम करता है, उनकी कार्यक्षमता और आयु बढ़ाता है तथा स्वास्थ्य क्षेत्र में किए गए निवेश का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करता है।

‘मिथिला मखाना’ की बढ़ती वैश्विक मांग बिहार के किसानों के लिए पैदा कर रही नए अवसर: पीयूष गोयल



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बिहार के प्रसिद्ध जीआई (जियोग्राफिकल इंडिकेशन) टैग प्राप्त ‘मिथिला मखाना’ ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को बताया कि पहली बार बिहार से 18 मीट्रिक टन मिथिला मखाना का ऑस्ट्रेलिया को समुद्री मार्ग के जरिए निर्यात किया गया है।

पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस उपलब्धि की जानकारी साझा करते हुए कहा कि भारत के जीआई-टैग वाले मिथिला मखाना ने वैश्विक बाजार में एक नया मुकाम हासिल किया है। उन्होंने कहा, ‘अपेड़ा यानी कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद

निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) के सहयोग से जीआई टैग वाले 18 मीट्रिक टन मिथिला मखाना को बिहार से ऑस्ट्रेलिया निर्यात किया गया। ‘केंद्रीय मंत्री ने बताया कि यह मखाना सीधे दरभंगा के किसानों से खरीदा गया था। इस पहल से जुड़े किसानों को बाजार भाव की तुलना में लगभग 18 प्रतिशत अधिक लाभ मिला है, जिससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

गोयल ने कहा कि मिथिला मखाना की बढ़ती वैश्विक मांग बिहार के किसानों के लिए नए अवसर पैदा कर रही है और यह राज्य के कृषि उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। गौरतलब है कि पिछले महीने भी बिहार के मखाना उत्पादकों को

बड़ी सफलता मिली थी। तब पहली बार बिहार के मखाना का समुद्री मार्ग से कनाडा निर्यात किया गया था। उस समय दरभंगा से सात मीट्रिक टन फ्लेवर्ड मखाना कनाडा भेजा गया था।

उस निर्यात को भी अपेड़ा ने सुगम बनाया था और इसे बिहार के कृषि उत्पादों की वैश्विक बाजार में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना गया था। उस समय केंद्रीय मंत्री ने कहा था कि इस पहल से जुड़े किसानों को पहले की तुलना में 50 प्रतिशत से अधिक बेहतर कीमत मिल रही है।

ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे विकसित देशों में मिथिला मखाना की बढ़ती मांग बिहार के किसानों के लिए बड़े अवसर लेकर आ सकती है। इससे न केवल निर्यात बढ़ेगा, बल्कि मखाना प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग), पैकेजिंग और मूल्य संवर्धन (वैल्यू एडिशन) से जुड़े उद्योगों में भी निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा।

मिथिला क्षेत्र में उत्पादित मखाना अपनी गुणवत्ता और पौष्टिकता के लिए देश-विदेश में पहचान रखता है। इसे एक हेल्दी स्नैक के रूप में तेजी से लोकप्रियता मिल रही है।

ऐसे में समुद्री मार्ग से सफल निर्यात भारत की वैल्यू-एडेड कृषि उत्पाद निर्यात रणनीति को मजबूती देगा और वैश्विक ‘रेडी-टू-ईट’ एवं स्वास्थ्यवर्धक खाद्य बाजार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने में मदद करेगा।

पिंच मयूरासन से पाएं मजबूत कंधे और फिट शरीर, जानिए इसे करने का आसान उपाय

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। बढ़ती उम्र और कामकाज के बीच शरीर धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है। आगे चलकर यही शारीरिक समस्याएं बड़ी बीमारियों का कारण बनती हैं। हालांकि, योग और नियमित खान-पान से इस पर सुधार किया जा सकता है। ऐसे ही चुनौतीपूर्ण और शक्तिशाली आसनों में से एक है पिंच मयूरासन, जिसे अंग्रेजी में ‘फेदर पीकॉक पोज’ भी कहा जाता है।

इस आसन में शरीर को सिर के बल नहीं, बल्कि कोहनियों और अग्रबाहुओं यानी कोहनी से कलाई तक के हिस्से के सहारे उल्टा साधा जाता है। देखने में जितना आसान लगता है, अभ्यास में उतना ही संतुलन, ताकत और धैर्य चाहिए। पिंच मयूरासन तन और मन दोनों के लिए फायदेमंद है। यह आसन सिर्फ बाहों, कंधों और कोर को ही मजबूत नहीं करता, बल्कि डर पर काबू पाकर आत्मविश्वास बढ़ाने में भी मदद करता है।



आयुष मंत्रालय ने पिंच मयूरासन को संतुलन और व्यूत्क्रम आसन के रूप में मान्यता दी है। इसके अनुसार, पिंच मयूरासन को करने के दौरान शरीर का पूरा भार कोहनियों और बांहों पर होता है। यह आसन कंधों, पीठ और पैरों की हड्डियों पर असर करता है। इस आसन को करते समय जब कूल्हों को ऊपर उठाया जाता है, तो शरीर की मांसपेशियों में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और पोषक तत्व तेजी से हड्डियों तक पहुंचते हैं।

यह आसन शरीर को ऊर्जावान बनाता है और कमर के निचले हिस्से की मजबूती बढ़ाता है। इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर मूवमेंट की क्षमता बेहतर होती है, जिससे अभ्यास करने वाले एडवांस्ड आर्म बैलेंस के लिए मदद मिलती है। इस आसन को करने के लिए जमीन पर घुटनों के बल बैठकर अपनी दोनों कोहनियों और हथेलियों को फर्श पर समानांतर रखें। पैरों को सीधा करते हुए

कूल्हों और हिप्प को ऊपर उठाएं, जैसे कि अंधोमुख श्वानासन में करते हैं। कोर और कंधों की ताकत का उपयोग करते हुए धीरे-धीरे पैरों को हवा में ऊपर की ओर उठाएं। सिर को जमीन से ऊपर रखते हुए पैरों को आसमान की तरफ सीधा तान दें। उच्च रक्तचाप, कंधे या गर्दन में चोट होने पर यह आसन न करें। शुरुआत में संतुलन बनाने के लिए दीवार का सहारा लें।

रियल-टाइम ऑब्जर्वेशन टेक्नोलॉजी से कैंसर के इलाज में मिलेगी मदद: डॉ. श्याम अग्रवाल

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। नई दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के चेयरपर्सन डॉ. श्याम अग्रवाल ने कहा कि रियल-टाइम ऑब्जर्वेशन टेक्नोलॉजी शोधकर्ताओं को यह समझने में मदद कर सकती हैं कि कोशिकाएं संभावित दवाओं पर कैसे प्रतिक्रिया देती हैं। उन्होंने कहा कि इससे सूक्ष्म बायोकेमिकल बदलावों का पता लगाने में तेजी आ सकती है और प्रो-क्लिनिकल रिसर्च के दौरान असरदार इलाज के तरीकों की बेहतर पहचान हो सकती है।

अग्रवाल ने कहा, ‘कॉम्प्रिहेंसिव जीनोम प्रोफाइलिंग (सीजीपी) और मिनिमल रेंसिडुअल डिजीज डिटेक्शन (एमआरडी) के साथ प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी को समझने से डॉक्टरों को कैंसर के मरीजों के लिए टारगेटेड पर्सनलाइज्ड मेडिसिन को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। ‘भारतीय मूल की बायोटेक उद्यमी परमिता मिश्रा, जो सैन फ्रांसिस्को स्थित ‘प्रिसिजेनेटिक्स’



की संस्थापक और सीईओ हैं और जीवित कोशिकाओं से रियल-टाइम बायोकेमिकल जानकारी हासिल करने वाला प्लेटफॉर्म चलाती हैं, ने कहा, ‘जब शोधकर्ता जैविक ‘ऑटोप्सी’ पर निर्भर रहने के बजाय लगातार यह मापते हैं कि कोशिकाएं कैसा व्यवहार करती हैं, तो उन्हें ऐसी जानकारी मिल सकती है जिसे

पहले देखना असंभव था। ‘मिश्रा ने कहा, ‘इसके असर एडीज मच्छर प्रजनन और अपर्याप्त वेक्टर नियंत्रण उपायों के संयोजन को दर्शाते हैं। ‘ज्यादा आबादी, गर्म मौसम और बहुत ज्यादा ब्रीडिंग ग्राउंड का मेल एडीज मच्छरों और डेंगू (केडीसीए) के डेटा का विश्लेषण किया है। इसके वैज्ञानिक अलग-थलग एंड-पॉइंट माप पर बयान में कहा गया है, ‘पारंपरिक प्रयोगशाला तकनीकों के विपरीत, जिनमें अक्सर विश्लेषण

से पहले कोशिकाओं को स्टेन करने, फिक्स करने या तोड़ने की जरूरत होती है, यह प्लेटफॉर्म जीवित बायोलॉजी की लगातार निगरानी करता है। इससे वैज्ञानिक अलग-थलग एंड-पॉइंट माप पर सेलुलर व्यवहार का अध्ययन कर सकते हैं।

हर मच्छर का अपना ‘फेवरेट’ इंसान! 119 लोगों पर हुई रिसर्च में चौंकाने वाला खुलासा



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। अगर आपको लगता है कि मच्छर आपको दूसरों से ज्यादा काटते हैं, तो हो सकता है कि आप किसी खास प्रजाति के मच्छर के ‘फेवरेट’ हों। लेकिन जरूरी नहीं कि हर मच्छर आपको पसंद करे। एक नई स्टडी ने चौंकाने वाला खुलासा किया है कि मच्छरों की अलग-अलग प्रजातियां अलग-अलग इंसानों की तरफ आकर्षित होती हैं। फ्लोरिडा इंटरनेशनल

यूनिवर्सिटी (एफआईयू) के शोधकर्ताओं ने 119 लोगों पर यह अध्ययन किया। इसमें दुनिया की तीन ऐसी मच्छर प्रजातियों को शामिल किया गया, जो इंसानों में कई गंभीर बीमारियां फैला सकती हैं। शोधकर्ताओं ने देखा कि इन तीनों प्रजातियों को इंसानों की गंध और शरीर से निकलने वाले अलग-अलग रासायनिक संकेत किस तरह आकर्षित करते हैं। अध्ययन में एडीज एजिप्टी, एडीज एल्बोपिक्टस और क्यूलेक्स

क्विनक्वेफैसिएटस को शामिल किया गया। ये तीनों अलग-अलग बीमारियों को फैलाने में भूमिका निभाते हैं। इनमें डेंगू, जीका, येलो फीवर और वेस्ट नाइल जैसी बीमारियां शामिल हैं। नतीजें चौंकाने वाले थे। तीनों प्रजातियों ने एक जैसे लोगों को पसंद नहीं किया। हर प्रजाति ने इंसानी शरीर की गंध को अपने तरीके से ‘पढ़ा’ और उसके आधार पर तय किया कि किस इंसान के पास जाना है। दरअसल इंसानी शरीर से एक हजार से ज्यादा तरह के वाष्पशील कार्बनिक यौगिक निकल सकते हैं। इनमें से कई के बारे में वैज्ञानिक अभी पूरी तरह नहीं जानते। यही रसायन हमारी प्राकृतिक गंध का हिस्सा बनते हैं और मच्छरों के लिए किसी तरह के संकेत का काम कर सकते हैं।

स्टडी में सामने आया कि एडीज एजिप्टी ऐसे लोगों की ओर ज्यादा आकर्षित हुआ, जिनकी

त्वचा में कुछ खास वाष्पशील रसायन कम मात्रा में थे और जो शरीर पर कोई अतिरिक्त खुशबू नहीं लगा रहे थे। इस प्रजाति ने पुरुषों की तरफ हल्की ज्यादा पसंद भी दिखाई। यह मच्छर दिन के समय ज्यादा सक्रिय रहता है। वहीं एडीज एल्बोपिक्टस, जिसे एशियन टाइगर मच्छर भी कहा जाता है, त्वचा से प्राकृतिक रूप से निकलने वाले कुछ खास केटोन्स और पौधों जैसी गंध वाले रसायनों की ओर ज्यादा आकर्षित हुआ। यह भी दिन में सक्रिय रहने वाली प्रजाति है। तीसरी प्रजाति क्यूलेक्स क्विनक्वेफैसिएटस को पसंद और भी अलग निकली। यह मच्छर आमतौर पर रात में ज्यादा सक्रिय होता है और इंसान की त्वचा पर मौजूद माइक्रोबायोम यानी बैक्टीरिया, फंगस और दूसरे सूक्ष्मजीवों के समुदाय को पहचानने पर ज्यादा निर्भर करता है।

बांग्लादेश में डेंगू का प्रकोप बढ़ा: मरने वालों की संख्या 59 हुई, मामले 18,000 के करीब

विश्व केसरी ■
ढाका। बांग्लादेश में डेंगू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अब तक 59 लोगों की मौत हो गई है जबकि इस साल अब तक 17,880 मामले सामने आए हैं। स्थानीय मीडिया ने स्वास्थ्य महानिदेशालय यानी डायरेक्टरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज (डीजीएचएस) के हवाले से इसकी जानकारी दी। डीजीएचएस के अनुसार, ढाका डिवीजन इससे सबसे ज्यादा पीड़ित क्षेत्र है। कुल 6,871 दर्ज मामले रिपोर्ट हुए जिसमें से 4,404 मामले तो शहर के ही थे। 3,647 केस के साथ, बारिशाल डिवाीजन दूसरे नंबर पर रहा, इसके बाद चटगांव में 3,082 और खुलना में 2,272 केस दर्ज किए गए।

ढाका डिवीजन में मृतकों की संख्या भी सबसे अधिक है। सूची में ये सबसे ऊपर है, कुल 26 में से 25 ढाका में हुई। बांग्लादेश के जाने-माने अखबार ‘द डेली स्टार’ की रिपोर्ट के मुताबिक, खुलना में 12 लोगों की मौत हुई, इसके बाद चटगांव और मैमनसिंह में क्रमशः सात और छह लोगों ने बीमारी से जान गंवाई। डेंगू, मच्छर से होने वाली वायरल बीमारी है, जो बांग्लादेश में एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या का रूप लेती जा रही है। यह मुख्य रूप से एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से फैलने वाली बीमारी है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ बांग्लादेश में जूलांजी डिपार्टमेंट (प्राणीशास्त्र विभाग) में एसोसिएट

प्रोफेसर, जीएम सैफुर रहमान ने कहा कि नवीनतम आंकड़े ढाका के उच्च जनसंख्या घनत्व, लगातार एडीज मच्छर प्रजनन और अपर्याप्त वेक्टर नियंत्रण उपायों के संयोजन को दर्शाते हैं। ज्यादा आबादी, गर्म मौसम और बहुत ज्यादा ब्रीडिंग ग्राउंड का मेल एडीज मच्छरों और डेंगू (केडीसीए) के डेटा का विश्लेषण किया है। इसके अनुसार, 2011-2015 के दौरान ‘इपचू’ से अगस्त के अंत तक हर साल औसतन 215 मामले सामने आए थे। ‘इपचू’ पारंपरिक कोरियाई कैलेंडर में शरद ऋतु की शुरुआत

से पहले कोशिकाओं को स्टेन करने, फिक्स करने या तोड़ने की जरूरत होती है, यह प्लेटफॉर्म जीवित बायोलॉजी की लगातार निगरानी करता है। इससे वैज्ञानिक अलग-थलग एंड-पॉइंट माप पर सेलुलर व्यवहार का अध्ययन कर सकते हैं।

विश्व केसरी ■
सोल। दक्षिण कोरिया में गर्मी से जुड़ी बीमारियों का असर अगस्त के दूसरे पखवाड़े तक भी लगातार बढ़ रहा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, गर्मियों के अंतिम दौर में लू और अत्यधिक गर्मी से बीमार पड़ने वाले लोगों की संख्या पिछले एक दशक में करीब तीन गुना हो गई है। योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, गृह मंत्रालय के तहत एक शोध संस्थान ने कोरिया डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन एजेंसी (केडीसीए) के डेटा का विश्लेषण किया है। इसके अनुसार, 2011-2015 के दौरान ‘इपचू’ से अगस्त के अंत तक हर साल औसतन 215 मामले सामने आए थे। ‘इपचू’ पारंपरिक कोरियाई कैलेंडर में शरद ऋतु की शुरुआत



का संकेत माना जाता है। इस साल इपचू 7 अगस्त को पड़ा। यह आंकड़ा 2016-2020 में बढ़कर सालाना औसत 658 और 2021-2025 में 638 हो गया। इसी अवधि में गर्मी से जुड़ी बीमारियों से होने वाली मौतों में भी इलाफा हुआ है। 2012-2015 में सालाना औसत 3.3 मौतें होती थीं, जो पिछले दशक 2016 से 2025 में

बढ़कर 4 से अधिक हो गई हैं। 2024 में स्थिति खास तौर पर गंभीर रही। उस साल इपचू से अगस्त के अंत तक 1,299 लोग गर्मी से जुड़ी बीमारियों की चपेट में आए, जबकि 12 लोगों की मौत हुई। मौसम विभाग का अनुमान है कि इस साल भी अगस्त के अंत तक हीट वेव का असर जारी रहेगा, यानी गर्मी से राहत मिलने की

संभावना कम ही है। देश भर में दिन का अधिकतम तापमान 31-35 डिग्री सेल्सियस रहने की आशंका है। आंकड़े संकेत देते हैं कि पारंपरिक रूप से शरद ऋतु की शुरुआत माने जाने वाले समय में भी दक्षिण कोरिया में अत्यधिक गर्मी अब गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बनती जा रही है। दिनों दिन बढ़ते तापमान को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी जारी की है। आम लोगों को पानी पीते रहने, सुबह 11 से शाम 4 बजे तक घर से बाहर न निकलने, और ढीले और सूती कपड़े पहनें। मौसम विभाग के अनुसार आगस्त के अंत तक 31-35 डिग्री की गर्मी और लू जारी रहेगी। बुजुर्गों और बच्चों को खास सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

अशिमिता चालिहा ने बनाई फाइनल में जगह, कड़े मुकाबले में रक्षिता को हराया



नई दिल्ली । भारत की अशिमिता चालिहा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कोरिया मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला सिंगल्स के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। सेमीफाइनल मुकाबले में अशिमिता ने हमवतन खिलाड़ी रक्षिता रामराज को शिकस्त दी।

भारत की दोनों खिलाडियों के बीच सेमीफाइनल मुकाबले में कड़ी टक्कर देखने को मिली। सेमीफाइनल मुकाबले का पहला ही गेम रोमांच से भरपूर रहा। हालांकि, कड़े संघर्ष के बाद अशिमिता पहले गेम को 21-13 से अपने नाम करने में सफल रहीं। हालांकि, दूसरे गेम में रक्षिता ने जोरदार वापसी की और गेम को 21-16 से जीते को स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। हालांकि, तीसरे गेम में अशिमिता ने रक्षिता को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया और उन्होंने गेम को 21-13 से अपने नाम करते हुए फाइनल का टिकट हासिल किया। फाइनल मुकाबले में अशिमिता चालिहा की भिड़ंत अब चीन की हान कियानक्सी से होगी।

अनुभवी अशिमिता ने शुक्रवार को जापान की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हिना अकेची को 20-22, 21-15, 21-19 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। एक अन्य कड़े क्वार्टर फाइनल मुकाबले में, रक्षिता ने चीनी ताइपे ओपन चैंपियन तन्वी शर्मा को 18-21, 21-19, 21-18 से शिकस्त देकर अंतिम चार का टिकट हासिल किया था।

पुरुष डबल्स में पृथ्वी के. रॉय और कृष्ण प्रसाद जी की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के मैन वेई चोंग और सोह वूई यिक से 21-7, 21-8 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हुई। रविवार को समाप्त होने वाले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 सीरीज इवेंट का कुल प्राइज फंड 250,000 अमेरिकी डॉलर है।

यह टूर्नामेंट 2007 में शुरू हुआ था और 2010 तक इसे इंटरनेशनल चैलेंज-लेवल टूर्नामेंट (इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट का चौथा लेवल) के तौर पर आयोजित किया गया।

इसके बाद 2011 में इसे बीडब्ल्यूएफ ग्रां प्री गोल्ड इवेंट में बदल दिया गया। साल 2017 में ग्रां प्री गोल्ड इवेंट बंद होने के बाद कोरिया मास्टर्स बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 का हिस्सा बन गया।

एंड्र्यू फिलंटॉफ ने छोड़ा इंग्लैंड लायंस के हेड कोच का पद

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । एंड्रयू फिलंटॉफ ने लगभग दो साल तक इंग्लैंड लायंस का हेड कोच बने रहने के बाद पद से इस्तीफा दे दिया है। इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर इस साल के आखिर में अपने कोचिंग करियर का अगला चैप्टर शुरू करने वाले हैं। वह बिग बैश लीग में सिडनी थंडर टीम से जुड़ेंगे।

सितंबर 2024 में इंग्लैंड लायंस के हेड कोच की जिम्मेदारी संभालने वाले फिलंटॉफ ने कहा कि उन्होंने इंग्लैंड के अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों और कोचों को तैयार करने में मदद करने के बाद पद छोड़ने का फैसला किया है। फिलंटॉफ ने कहा, 'दुर्भाग्य से मैंने लायंस के साथ अपने रोल से हटने देखकर मुझे बहुत गर्व भी हुआ है। उन्होंने आगे कहा, 'मैं कोचों और स्टाफ को उनके जुनून, बिना थके काम और हर दिन दिए जाने वाले सपोर्ट के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ। खासकर, एड बार्नी, जिनके साथ मुझे काम करना बहुत पसंद था, और रॉब का भी जिन्होंने

इंग्लिश क्रिकेट में सबसे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में से एक के लिए मुझ पर भरोसा दिखाया। मैं इस साल के आखिर में सिडनी थंडर के साथ काम शुरू करने और यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता कि कोचिंग मुझे कहाँ ले जाती है।' यह घोषणा सिडनी थंडर द्वारा आने वाले बिग बैश लीग सीजन के लिए फिलंटॉफ को अपना हेड कोच बनाने के दो महीने बाद हुई है, जो ऑस्ट्रेलिया के घरेलू प्रतियोगिता में उनकी पहली फुल-टाइम कोचिंग भूमिका होगी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के मेंस परफॉर्मेंस डायरेक्टर एड बार्नी ने अपने कार्यकाल के दौरान इंग्लैंड लायंस की टीम को सफलता दिलाने का क्रेडिट फिलंटॉफ को दिया। बार्नी ने कहा, 'फिलंटॉफ ने लायंस के माहौल को एक ऐसे प्रोग्राम में बदलने में मदद की है जिसका युवा खिलाड़ियों पर बड़ा असर पड़ा है। उन्होंने ऐसा माहौल तैयार किया जो हर समय बेहतरीन काम को सपोर्ट और बढ़ावा देता है, उन्होंने युवा खिलाड़ियों की एक नई पीढ़ी को आगे लाने में मदद की है।' 'कोच भी उनके साथ आगे बढ़ें, चाहे वे कोचिंग की शुरुआत में हों या दशकों का अनुभव रखते हों।

एशियन जूनियर चैंपियनशिप में भारतीय पिकलबॉल खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, तीन मेडल जीते

विश्व केसरी ■

नाखोन पाथोम । एशियन पिकलबॉल जूनियर ओपन/एशियन जूनियर चैंपियनशिप 2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने शनिवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन मेडल जीते। एशिया फेडरेशन ऑफ पिकलबॉल (एएफपी) की तरफ से आयोजित तीन दिवसीय कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप थाईलैंड के नाखोन पाथोम में माहिडोल यूनिवर्सिटी में खेली जा रही है।

चैंपियनशिप में एशिया के कई उभरते हुए जूनियर पिकलबॉल खिलाड़ी अलग-अलग आयु वर्गों में शामिल हुए। इस टूर्नामेंट ने युवा खिलाड़ियों को मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ खेलने, बहुमूल्य अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने और कॉन्टिनेंटल स्तर पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक बेहतरीन अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान किया।

भारत के लिए मेडल जीतने की शुरुआत स्तुति और अंजलि ने की, जिन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-18 गर्ल्स डबल्स में गोल्ड मेडल जीता। अंजलि पोल ने

अंडर-18 गर्ल्स सिंगल्स में सिल्वर मेडल जीतकर भारत की मेडल टेली में एक ओर मेडल जोड़ा, जबकि आद्या और कीर्ति ने अंडर-12 गर्ल्स डबल्स में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

इस प्रदर्शन पर अरविंद प्रभु ने



अंडर-18 गर्ल्स सिंगल्स में सिल्वर मेडल जीतकर भारत की मेडल टेली में एक ओर मेडल जोड़ा, जबकि आद्या और कीर्ति ने अंडर-12 गर्ल्स डबल्स में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

इस प्रदर्शन पर अरविंद प्रभु ने

हॉकी इंडिया जूनियर मेन नेशनल चैंपियनशिप: मध्य प्रदेश को 2-1 से हराकर ओडिशा ने जीता खिताब, पंजाब के नाम ब्रॉन्ज



विश्व केसरी ■

कोयंबटूर । हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने 16वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2026 - डिबीजन 'ए' का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस टीम ने शनिवार को तमिलनाडु के कोयंबटूर में खेले गए रोमांचक फाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल की।

फाइनल में दो मजबूत टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। मनदीप केरकेट्टा ने दूसरे मिनट में गोल करके ओडिशा को शुरूआती बढ़त दिलाकर मध्य प्रदेश पर दबाव बनाया। हॉकी मध्य प्रदेश ने जबरदस्त वापसी करते हुए मौके बनाना जारी रखा, लेकिन ओडिशा का डिफेंस मजबूत बना रहा। मुकाबले में कड़ी टक्कर जारी रही, क्योंकि दोनों टीमों मिडफील्ड पर कब्जा करने और अटैकिंग सर्कल में मौके बनाने की कोशिश कर रही थीं। आखिरकार, 37वें मिनट में सोहिल अली ने मध्य प्रदेश के लिए बराबरी का गोल किया, जिससे आखिरी क्वार्टर रोमांचक हो गया। हालांकि, ओडिशा ने नए जोश के साथ जवाब दिया। मुकाबले के 45वें मिनट में इस टीम ने कसान दीपक प्रधान के जरिए फिर से बढ़त हासिल कर ली।

चैंपियनशिप का खिताब दांव होने के कारण, मध्य प्रदेश ने आखिरी पलों में एक और बराबरी का गोल करने के लिए जोर लगाया। हालांकि, ओडिशा ने अपनी 2-1 की बढ़त बरकरार रखी। इस जीत के साथ हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा चैंपियन बन गया।

वहीं, तीसरे स्थान के मैच में, हॉकी पंजाब ने शानदार अटैकिंग खेल दिखाते हुए हॉकी झारखंड को 6-3 से मात देकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

गुरविंदर सिंह ने 11वें मिनट में गोल दागकर पंजाब को बढ़त दिला दी थी। इसके बाद टीम के कसान जरमन सिंह ने 34वें और 36वें मिनट में तेजी से दो गोल किए। चरणजीत सिंह ने 52वें और 53वें मिनट में दो गोल दगे, जबकि अजयपाल सिंह ने 41वें मिनट में गोल करके पंजाब के गोली की संख्या पूरी की।

झारखंड ने आखिरी सीटी बजने तक संघर्ष किया। इस दौरान पात्रास हस्सा ने 33वें, 40वें और 56वें मिनट में गोल की हैट्रिक लगाई, लेकिन पंजाब ने मुकाबला 6-3 से अपने नाम किया।

श्रीलंका इलेवन के खिलाफ देवदत्त पड्डिकल का शतक, जायसवाल और पंत रहे प्लॉय



विश्व केसरी ■

कोलंबो । भारत और श्रीलंका क्रिकेट इलेवन के बीच तीन दिवसीय वॉर्म-अप मैच खेला जा रहा है। मैच के दूसरे दिन (शनिवार) को भारत की तरफ से बाएं हाथ के बल्लेबाज देवदत्त पड्डिकल ने शतक लगाया। शतक लगाने के बाद उन्हें रिटायर हर्ट कर दिया गया, ताकि दूसरे बल्लेबाजों को मौका दिया जा सके।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे देवदत्त पड्डिकल ने वनडे फॉर्मेट के मुताबिक बल्लेबाजी की। पड्डिकल ने 121 गेंदों पर 14 चौकों की मदद से 103 रन की पारी खेली। इस शानदार पारी के बाद उन्हें रिटायर हर्ट कर दिया गया। भारतीय टीम मैनेजमेंट इस वॉर्म-अप मैच में दूसरे बल्लेबाजों को मौका देना चाहता है, इसलिए पड्डिकल को उनकी शानदार पारी के बाद वापस बुला लिया गया।

भारतीय पारी की शुरुआत करने के लिए यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल आए थे। जायसवाल अपना खाता नहीं खोल सके। उन्हें पारी की दूसरी ही गेंद पर विश्वा फर्नांडो ने आउट कर दिया। पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी नहीं चले और 2 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद ध्रुव जुरेल भी 1 रन बनाकर आउट हो गए।

रिपोर्ट लिखे जाने तक भारतीय टीम ने पहली पारी में 54 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 199 रन बना लिए हैं। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए रवींद्र जडेजा 46 और मानव सुथार 5 रन बनाकर खेल रहे हैं।

इससे पहले दिन की शुरुआत में श्रीलंका इलेवन ने अपनी पहली पारी पहले दिन के स्कोर (एक पर 363 रन पर घोषित कर दी।

श्रीलंका की तरफ से निशान मधुशंका और रविन्दु रसंथा ने पहले विकेट के लिए 110 रन की साझेदारी की। पहले विकेट के रूप में मधुशंका 11 चौकों और 1 छक्के की मदद से 66 रन बनाकर आउट हुए।

दीपा कर्माकर: प्रोडुनोवा वॉल्ट की महारथी और ओलंपिक फाइनल में पहुंची देश की पहली जिम्नास्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । भारतीय जिम्नास्ट की दुनिया में दीपा कर्माकर का नाम प्रतिष्ठा के साथ लिया जाता है। दीपा दुनिया की पांच महिलाओं में से एक हैं जिन्होंने प्रोडुनोवा वॉल्ट में महारत हासिल की है। दीपा ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली देश की पहली जिम्नास्ट हैं।

कलात्मक जिम्नास्ट के लिए मशहूर दीपा कर्माकर का जन्म 9 अगस्त 1993 को अगरतला, त्रिपुरा में हुआ था। उन्होंने सिर्फ 6 साल की उम्र में जिम्नास्टिक का अभ्यास शुरू कर दिया था। उन्हें सोमा नंदी और बिश्वेश्वर नंदी ने कोचिंग दी है। जब उन्होंने जिम्नास्टिक शुरू किया, तो कर्माकर के पैर चपटे थे, जो एक जिम्नास्ट में एक अनचाही शारीरिक खासियत है क्योंकि यह उनके प्रदर्शन को प्रभावित करता है।



बहुत ज्यादा ट्रेनिंग से, वह अपने पैर में आर्च बना पाई। 2008 में, उन्होंने जलपाईगुडी में जूनियर नेशनल्स जीता था। इस सफलता ने जिम्नास्टिक की दुनिया में उन्हें शुरुआती पहचान दी।

दीपा कर्माकर ने पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2014 में सबका

कर्माकर की जिंदगी का सबसे बड़ा पल तब आया, जब उन्होंने 2016 में रियो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया।

वह ओलंपिक में क्वालीफाई करने वाली पहली महिला जिम्नास्ट और फाइनल में क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय जिम्नास्ट थीं। वह रियो में 0.15 अंकों से पदक जीतने से चूक गईं और चौथे स्थान पर रहीं।

वह 52 साल पहले, 1964 समर ओलंपिक्स के बाद से, ओलंपिक में हिस्सा लेने वाली पहली भारतीय महिला जिम्नास्ट थीं।

जुलाई 2018 में तुर्की के मर्सिन में एफआईजी आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स वर्ल्ड चैलेंज कप के हासिल किया। ऐसा करने वाली पहली भारतीय एथलीट थीं।

कैनेडियन ओपन: फर्नांडीज ने मीरा आंद्रीवा को हराकर बनाई अंतिम 16 में जगह, ओसाका से होगा मुकाबला

विश्व केसरी ■

मॉन्ट्रियल । यूएस ओपन 2021 के फाइनल तक का सफर तय करने वाली कनाडा की टेनिस खिलाड़ी लेला फर्नांडीज ने कैनेडियन ओपन के महिला एकल मुकाबले के तीसरे दौर में रूस की मीरा आंद्रीवा को हराया। मीरा आंद्रीवा इस साल फ्रेंच ओपन (रोलैंड गैरोस) की चैंपियन रही हैं। इस जीत के साथ फर्नांडीज ने दुनिया की टॉप-10 खिलाड़ियों के खिलाफ लगातार 7 हार का सिलसिला भी खत्म कर दिया।

फर्नांडीज ने पांचवीं वरीयता प्राप्त आंद्रीवा के खिलाफ मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए हार का सिलसिला तोड़ा और अपने देश के इस खास टूर्नामेंट में अपने अब तक के सबसे अच्छे नतीजे की बराबरी की। इस जीत के साथ ही 30वीं रैंकिंग वाली फर्नांडीज अब राउंड ऑफ 16 में पूर्व यूएस ओपन



विजेता और जापान की खिलाड़ी नाओमी ओसाका से भिड़ेंगी। ओसाका (11वीं वरीयता प्राप्त) ने बेल्जियम की 20वीं सीड खिलाड़ी एलिस मर्टेंस को 6-1, 6-4 से हराया था। कनाडा की स्टार खिलाड़ी

बल्कि एक साल से भी ज्यादा समय में टॉप-10 खिलाड़ी के खिलाफ अपनी पहली जीत भी दर्ज की। उन्होंने पिछली बार आंद्रीवा जैसी ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी को पिछले साल मुंबाडाला डीसी ओपन में हराया था। फर्नांडीज ने विश्व की नंबर 4 खिलाड़ी जेसिका पेगुला को मात दी थी।

फर्नांडीज ने खराब फॉर्म से जुझ रही आंद्रीवा के खिलाफ 6-1, 5-1 तक आसानी से बढ़त बनाए रखी, लेकिन फिर 20 साल की आंद्रीवा ने वापसी की और आठवें गेम में 0-30 से पिछड़ने के बावजूद गेम अपने नाम किया और स्कोर 5-4 कर दिया। हालांकि 5-4 के स्कोर पर फर्नांडीज की सर्विस के दौरान 0-15 पर फोरहैंड शॉट में राउंड ऑफ 16 में पहुंचें (ऐसा ही नतीजा उन्होंने 2023 में मॉन्ट्रियल में हासिल किया था),